सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

RNI NO-UPHIN/2023/84340

नगर संस्करण sabsetejprj2023@gmail.com सोमवार , 03 अगस्त 2026 वर्ष: 04, अंक: 134 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू.

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते है: मोदी

भारत में ड्रग्स सप्लाई आतंकी साजिश का हिस्सा: पीएम मोदी, करियर और परिवार को बर्बाद कर देता है नशा, खतरों को समझें युवा और दूर रहें: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली/एजेंसी

पीएम मोदी ने रविवार को नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने संबोधन में कहा- दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं। इस साजिश को मिलकर नाकाम करना होगा। विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब देश का युवा शारीरिक और मानसिक रूप से फिट होने के साथ नशे से भी दूर रहेगा।

उन्होंने बताया कि अगले 100 सप्ताह तक हर रविवार कला, संस्कृति, खेल और अन्य गतिविधियों के जरिए नशा मुक्ति का संदेश देशभर में पहुंचाया जाएगा। पीएम ने युवाओं से इस अभियान का नेतृत्व करने और 2047 तक विकसित भारत बनाने में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

नशा सपनों और परिवार दोनों को तोड़ देता है

पीएम मोदी ने कहा कि नशा युवाओं का फोकस भटकाकर उन्हें धीरे-धीरे उनके सपनों से दूर ले जाता है। आज भारत के युवा स्टार्टअप, अक और स्पेस जैसे क्षेत्रों में दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन अगर कोई युवा ड्रग्स की गिरफ्त में आ जाए तो सिर्फ उसका सपना ही नहीं, पूरा परिवार हार जाता है। नशा एक पिता के सपनों और बहन की

नशे से परिवार, समाज और राष्ट्र की शक्ति कमजोर पड़ जाती है: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि नशे से परिवार, समाज और राष्ट्र की शक्ति कमजोर पड़ जाती है। दुश्मन देश भी षड्यंत्र करके देश के युवाओं को नशे की लत में खींचने की कोशिश करते रहते हैं। ऐसे में ड्रग सप्लाई कर कमाई कर देश को तबाह करना भी आतंकी साजिश का हिस्सा होता है। इसलिए हमें हर एक युवा को नशे के चुंगल में फंसने से बचाना है। सामूहिकता की ताकत पर बल देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि व्यक्तिगत प्रयास करते समय निराशा और उम्मीदों को भी तोड़ देता है।

दुश्मन देश ड्रग्स के जरिए युवाओं को निशाना बना रहे

नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि राष्ट्र की ताकत को भी कमजोर करता है।

दुश्मन देश भारतीय युवाओं को ड्रग्स के जाल में फंसाने की साजिश रचते हैं। सरकार नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है।

ड्रग्स थोड़ी देर का हाई, लेकिन जिंदगीभर का नुकसान

ड्रग्स कुछ समय के लिए हाई देता है, लेकिन करियर और फैमिली लाइफ को बर्बाद कर देता है। हमारे संतों और गुरुओं ने भी नशे से दूर रहने की सीख दी है। श्री गुरु ग्रंथ साहिब का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जो नशा इंसान की बुद्धि और विवेक छीन ले, वह उसे पतन की ओर ले जाता है।

नशे से बाहर निकले युवाओं को दूसरा मौका मिलना चाहिए

नशे की लत से लड़कर बाहर निकलने वाले असली योद्धा हैं। किसी व्यक्ति का अतीत उसकी पहचान नहीं होता, बल्कि मुश्किलों से बाहर निकलने का उसका साहस उसकी असली पहचान होता है।

कोई अभियान सामूहिक स्वरूप ले लेता है और करोड़ों लोग मिलकर आगे बढ़ते हैं, तो सामूहिकता की ताकत उसे नई ऊर्जा देती है। प्रधानमंत्री ने बताया कि देशभर के लाखों युवाओं ने नशा मुक्ति की शपथ ली है। उन्होंने बताया कि यह संकल्प अगले 100 सप्ताह तक लगातार आगे बढ़ेगा। इस दौरान प्रत्येक रविवार कला, संस्कृति, खेल, ध्यान, अध्यात्म और सेवा से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

आने वाले 100 रविवार नशा मुक्त भारत की दिशा में मजबूत कदम साबित होंगे

पीएम ने कहा कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले 100 रविवार नशा मुक्त भारत की दिशा में 100 मजबूत कदम साबित होंगे। प्रधानमंत्री ने नशा मुक्ति में योग, ध्यान और पुनर्वास के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से यह विधाएं व्यक्ति के अंतर्मन को मजबूत बनाती हैं। उन्होंने कहा कि आज नशा छोड़ने के लिए पुनर्वास केंद्र जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, ह्रदयदि कोई युवा गलती से नशे की गिरफ्त में आ गया है तो इसका अर्थ यह नहीं है कि उसके सभी रास्ते बंद हो गए हैं। उचित सहयोग और उपचार से वह सामान्य जीवन में लौट सकता है। प्रधानमंत्री ने परिवारों से अपील की कि यदि घर का कोई बच्चा नशे का शिकार हो जाए तो सामाजिक प्रतिष्ठा के कारण इसे छिपाया न जाए। बच्चों के साथ संवाद की संस्कृति विकसित करना जरूरी है, ताकि समय रहते उनके व्यवहार में आने वाले बदलावों को पहचाना जा सके।

शिक्षक विद्यार्थियों के साथ ड्रग्स के दुष्प्रभावों पर भी नियमित चर्चा करें

प्रधानमंत्री ने प्रोफेसरों और शिक्षकों से आग्रह किया कि वे केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहें बल्कि विद्यार्थियों के साथ ड्रग्स के दुष्प्रभावों पर भी नियमित चर्चा करें। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थान युवाओं को नशे से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ड्रग्स के खिलाफ अभियान में सरकार पूरी मजबूती से युवाओं के साथ खड़ी है। उन्होंने बताया कि नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। पहले की तुलना में कई गुना अधिक गिरफ्तारियां हुई हैं और हजारों करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की गई हैं। यह सरकार की कठोर नीति को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि केंद्र और राज्य सरकारें इस अभियान को मिशन मोड में आगे बढ़ाएंगी। उन्होंने कहा कि देश का युवा नशे से मुक्त रहकर अपनी ऊर्जा को सुरक्षित रखने के साथ विकसित भारत के संकल्प को भी मजबूत करेगा।

भारतीय नौसेना का नया 'समुद्री रक्षक': स्वदेशी डीएससी ए24 पानी में उतरा

कोलकाता/एजेंसी

भारतीय नौसेना को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। नौसेना का नया पोत 'डीएससी अ24' पानी में उतर चुका है। इसे कोलकाता के टीटागढ़ शिपयार्ड में लॉन्च किया गया। यह पोत देश में ही तैयार किया गया है। इससे हमारी समुद्री सुरक्षा को नई ताकत मिलेगी। नौसेना के कार्मिक प्रमुख वाइस एडमिरल गुरचरण सिंह इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। उनके साथ कई बड़े सैन्य अधिकारी भी शामिल हुए। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पोत को हुगली नदी के पानी में उतारा गया।

डीएससी अ24 प्रोजेक्ट क्या है और यह क्यों खास है?

यह जहाज डीएससी प्रोजेक्ट का पांचवां पोत है। यह इस पूरी श्रृंखला का आखिरी पोत भी है। इसे 'यार्ड 329' के नाम से भी जाना जाता है। इसका निर्माण टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड (टीआरएसएल) ने किया है।

इस पोत को 'कैटामरन-हल'डिजाइन पर बनाया गया है। यानी इसमें एक की जगह दो समानांतर पतवार लगे हैं। इस वजह से यह पानी में तेजी से संतुलित रहता है।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लूकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

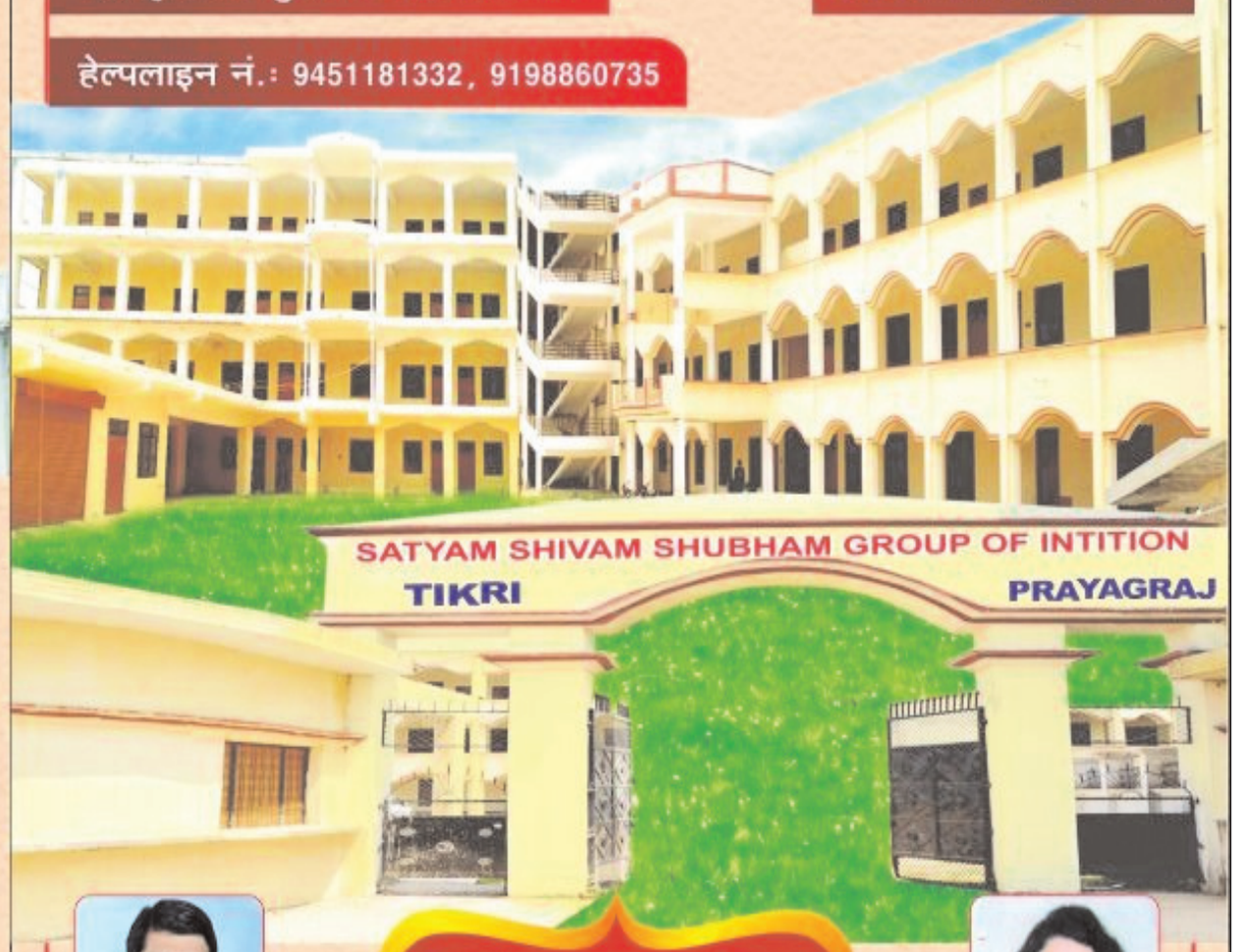

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

आर्थिक विवाद में युवक की हत्या का खुलासा, पांच आरोपी गिरफ्तार

दो तमंचे, कारतूस, दो बाइक, मोबाइल और नकदी बरामद, एक आरोपी फरार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। कोतवाली नगर पुलिस ने बकंधा-भैरमपुर मार्ग पर मिले युवक के शव के मामले का सफल खुलासा करते हुए हत्या में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो अवैध तमंचे, कारतूस, दो मोटरसाइकिल, तीन मोबाइल फोन तथा 1310 रुपये नकद बरामद किए हैं। मामले में एक आरोपी की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, 29 जुलाई को कोतवाली नगर क्षेत्र के बकंधा भट्ठा-भैरमपुर मार्ग पर एक व्यक्ति का शव मिला था। इस संबंध में 30 जुलाई को कोतवाली नगर थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान मिले साक्ष्यों से पता चला कि हत्या सुनियोजित साजिश के तहत की गई थी तथा घटना के साक्ष्य मिटाने का भी प्रयास किया गया। इसके आधार पर मुकदमे में संबंधित धाराओं के साथ आर्म्स एक्ट की धाराएं भी बढ़ाई गईं।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के तहत रविवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बकंधा ईंट भट्ठा के पास से शिवा लोधी, ईश लोधी, अनिल कुमार, मीना और श्यामा को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, मामले में नामजद अक्षय उर्फ कृष्ण कुमार की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि मृतक लक्ष्मी उर्फ रामप्रकाश द्वारा धनराशि, प्लॉट और अन्य आर्थिक लेन-देन को लेकर लगातार दबाव बनाया जा रहा था। इसी से परेशान होकर अनिल कुमार, उसकी पत्नी मीना, अक्षय उर्फ कृष्ण कुमार और श्यामा ने हत्या की साजिश रची तथा शिवा और ईशू को हत्या करने के लिए तैयार किया।

पुलिस के अनुसार, 29 जुलाई को योजना के तहत श्यामा ने मृतक को घर से बुलाया। इसके बाद शिवा और ईशू उसे मोटरसाइकिल से बकंधा-भैरमपुर मार्ग स्थित सुनसान स्थान पर ले गए, जहां शराब पिलाने के बाद शिवा ने अवैध तमंचे से गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद सभी आरोपी फरार हो गए थे, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से दो अवैध तमंचे (.315 बोर), दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, घटना में प्रयुक्त अपाचे और बुलेट मोटरसाइकिल, तीन मोबाइल फोन तथा 1310 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी है।

जानलेवा हमले का आरोपी तमंचा कारतूस के साथ गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। 4 जुलाई को थाना संदीपनघाट पर वादी संदीप सिंह पुत्र स्व0 समुंदर सिंह निवासी ग्राम सैय्यद सरावा थाना चरवा जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि दिनांक 03.07.2026 को मैं जीटी रोड पर कमला गार्डन पर बैठा था तभी विपक्षीगण मौके पर आकर भद्दी भद्दी गालियां देते हुए मेरे उपर जान से मारने की नियत से फायर कर दिया जिसमें मैं बाल-बाल बचा ।

रविवार को थाना संदीपनघाट पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त कप्तान यादव पुत्र स्व0 राजेन्द्र यादव निवासी ग्राम व थाना चरवा जनपद कौशाम्बी को काजीपुर मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अदद तमंचा एवं एक अदद कारतूस जिंदा 315 बोर बरामद किया गया ।

मोबाइल छिनैती का अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी । शनिवार थाना पिपरी पर वादी तौसीफ अहमद पुत्र स्व0 सगीर अहमद निवासी ग्राम कसेंदा थाना पिपरी जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गई कि दिनांक 31.07.2026 की रात्रि में मैं घर के बाहर सड़क के किनारे बात कर रहा था उसी समय मोटर साइकिल सवार अज्ञात व्यक्ति मेरा मोबाइल छीन कर भाग गए ।

रविवार को थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा आस-पास के लोगों से पूछताछ, तकनीकी साक्ष्य, सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज आदि की मदद से प्रकाश में आए वांछित अभियुक्त नन्हा पासी पुत्र वीरेन्द्र कुमार निवासी मंदरदेह माफी थाना पुरामुफ्ती जनपद जनपद प्रयागराज को सीएचसी चायल मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे से छिनैती की घटना से संबंधित एक अदद वीवो 21 मोबाइल एवं एक अदद मोटरसाइकिल बरामद की गई।

मोबाइल टावर से चोरी करने वाले 4 शातिर चोर गिरफ्तार, कब्जें से चोरी की गयी डिबाइस व घटना में प्रयुक्त कार बरामद

सबसे तेज प्रयागराज बुलंदशहर । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत देर रात्रि में थाना गुलावठी पुलिस एवं स्वाट टीम द्वारा मोबाइल टावर से चोरी करने वाले 04 शातिर प्रमोद पुत्र गुलवीर सिंह निवासी ग्राम कुराना थाना टप्पल जनपद अलीगढ़. संजीव पुत्र बदन सिंह निवासी ग्राम कुराना थाना टप्पल जनपद अलीगढ़. पीयूष उर्फ पीलू पुत्र उदयवीर सिंह निवासी ग्राम सुखलालपुर थाना सिकन्द्राबाद जनपद बुलन्दशहर. समसुद्दीन पुत्र अलीमुद्दीन निवासी ग्राम चचरई थाना जहाँगीराबाद जनपद बुलन्दशहर चोरों को चोरी किए गये 04 डिवाइस (कुल कीमत करीब 10 लाख रुपये) व घटना में प्रयुक्त कार सहित गिरफ्तार किया गया।

गंगा के बाढ़ के पानी में फंसी एंबुलेंस: ट्रैक्टर-ट्रॉली से पार कराया, मेरठ से मरीज भर्ती कराकर लौट रही थी

संजीव विश्वकर्मा

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर, चांदपुर में रविवार दोपहर गंगा नदी के बाढ़ के पानी में एक एंबुलेंस फंस गई। मेरठ में मरीज को भर्ती कराकर लौट रही एंबुलेंस बहसूमा-ठाकुरद्वारा स्टेट हाईवे पर पांडवनगर चौकी के पास पानी में फंस गई। स्थानीय लोगों ने ट्रैक्टर-ट्रॉली की मदद से एंबुलेंस को सुरक्षित बाहर निकाला। राहत की बात यह रही कि उस समय एंबुलेंस में कोई मरीज मौजूद नहीं था।

गंगा नदी पिछले चार दिनों से उफान पर है, जिससे चांदपुर के खादर क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। बहसूमा-ठाकुरद्वारा स्टेट हाईवे पर करीब तीन फीट पानी भर जाने के कारण नारनौर गांव के पास बैरिकेडिंग लगाकर मार्ग बंद कर दिया गया है। हालांकि, मेरठ की ओर से मार्ग पूरी तरह बंद नहीं होने के कारण कई वाहन चालक अनजाने में जलभराव वाले हिस्से तक पहुंच जा रहे हैं।

चांदपुर के खादर क्षेत्र में गंगा का पानी कई किलोमीटर तक फैल गया है। मीरापुर सीकरी, स्याली, रायपुर खादर, नारनौर समेत करीब 12 गांव बाढ़ की जद में हैं। मुख्य संपर्क मार्गों समेत करीब 12 गांव बाढ़ की जद में हैं। मुख्य संपर्क मार्गों पर लगभग तीन फीट पानी भरा होने से लोगों का आवागमन प्रभावित हो गया है।

जलभराव के कारण कई गांवों में ट्रैक्टर-ट्रॉली ही आवागमन का प्रमुख साधन रह गया है। स्थानीय लोग जोखिम उठाकर आवाजाही कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा तो प्रभावित गांवों में खाद्य सामग्री और पशुओं के चारे का संकट भी गहरा सकता है।

मोहब्बतपुर पंइसा पुलिस द्वारा हत्या के प्रयास में वांछित आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी । शनिवार को थाना मोहब्बतपुर पंइसा पर वादिनी राजरानी पत्नी राजू मौर्य निवासिनी ग्राम जबई पड़री थाना मोहब्बतपुर पंइसा जपनद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि विपक्षीगणों द्वारा मेरे खेत की मेड़ को काटकर अपने खेत में मिलाया जा रहा था जिसका विरोध करने पर आरोपीगणों द्वारा एकराय होकर मारपीट करते हुए गंभीर रूप से घायल कर दिया ।

रविवार को थाना मोहब्बतपुर पंइसा पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त दिलीप कुमार उर्फ दिप्पा पुत्र रामसिंह निवासी जबई पड़री थाना मोहब्बतपुर पंइसा जनपद कौशाम्बी को ग्राम जबइ पड़री से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त की निशादेही पर घटना में प्रयुक्त लकड़ी का डंडा बरामद किया गया ।

मिशन शक्ति टीम द्वारा बालिका को सकुशल परिजनों से मिलाया गया

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में संचालित मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत रविवार को थाना औंग की मिशन शक्ति टीम क्षेत्र में भ्रमणशील थी। भ्रमण के दौरान टीम को एक बालिका संदिग्ध अवस्था में अकेली मिली। पूछताछ करने पर बालिका ने अपना नाम नंदिनी पुत्री जितेंद्र बेनवंशी, निवासी 305, कांशीराम कॉलोनी, थाना पनकी, जनपद कानपुर नगर, उम्र लगभग 12 वर्ष बताया। बालिका ने बताया कि आज प्रातः लगभग 10:00 बजे माता द्वारा डांट-फटकार लगाए जाने से नाराज होकर वह घर से निकल आई थी। मिशन शक्ति टीम द्वारा बालिका को सुरक्षित अभिरक्षा में लेकर थाना औंग लाया गया। तत्पश्चात थाना औंग पुलिस द्वारा बालिका के पिता जितेंद्र बेनवंशी पुत्र रंजीत बेनवंशी का मोबाइल नंबर प्राप्त कर उन्हें तत्काल सूचना दी गई। सूचना प्राप्त होने पर बालिका के पिता थाना औंग पहुंचे। उनकी पहचान सुनिश्चित करने के उपरांत बालिका को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया गया।

बालिका के सकुशल मिलने पर परिजनों द्वारा थाना औंग पुलिस एवं मिशन शक्ति टीम के त्वरित एवं सराहनीय कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

कांवड़ यात्रा शुरू, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम: एआई कैमरे, ड्रोन से निगरानी; चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर, बिजनौर में कांवड़ यात्रा शुरू हो गई है। हरिद्वार से जल लेकर कांवड़ यात्री अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। जिले को तीन सुपर जोन, छह जोन, 21 सेक्टर और 60 सब-सेक्टर में बांटा गया है। हर दो किलोमीटर पर मोबाइल पुलिस टीमें तैनात की गई हैं। कांवड़ मार्ग पर 100 से अधिक एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) युक्त कैमरे लगाए गए हैं, साथ ही ड्रोन से भीनिगरानी की जा रही है।

उत्तराखंड के हरिद्वार के बाद उत्तर प्रदेश का बिजनौर पहला जिला है, जहां से लाखों की संख्या में कांवड़ यात्री गुजरते हैं। पुलिस और प्रशासन ने यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पहले से ही व्यापक तैयारियां की हैं।

बिजनौर के मंडावली क्षेत्र में स्थित मोटा महादेव मंदिर कांवड़ यात्रियों का पहला पड़ाव होता है। यहां जल चढ़ाने के बाद यात्री अपने गंतव्य की ओर बढ़ते हैं। मान्यता है कि इस मंदिर में थके हुए कांवरियों को 'सोंटा' लगाया जाता है, जिससे उनकी थकान दूर हो जाती है।एएसपी सिटी डॉ. कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावी निगरानी के लिए प्रत्येक स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। सुपर जोन की सुरक्षा की कमान एडिशनल एसपी, जोन की निगरानी सीओ और सेक्टरों की व्यवस्था संबंधित थाना प्रभारी संभालेंगे। सब-सेक्टरों में एसआई निगरानी रखेंगे।

एसपी सिटी ने बताया कि कांवड़ मार्ग के आसपास के 84 क्षेत्रों को अति संवेदनशील, 145 को संवेदनशील और 42 को सामान्य स्थिति में चिह्नित किया गया है। जनपद में 85 अस्थाई चौकियां स्थापित की गई हैं। प्रमुख मार्गों, संवेदनशील और भीड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

स्वाती मिश्रा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति फेज-5, नए आपराधिक कानूनों एवं साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस दौरान पुलिस टीमों द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को नए आपराधिक कानूनों, महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण, साइबर अपराधों से बचाव, गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता, महिला हेल्पडेस्क, मिशन शक्ति केंद्र तथा एंटी रोमियो टीम की कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही शासन द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 1090 (वूमेन पावर हेल्पलाइन), 102 (स्वास्थ्य सेवा), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 1930 (साइबर अपराध हेल्पलाइन) एवं 181 (महिला हेल्पलाइन) की जानकारी देते हुए आवश्यकता पड़ने पर इनके उपयोग के लिए प्रेरित किया गया।

वारंटी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी एवं अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को थाना गाजीपुर पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्त सुशील कुमार गुप्ता पुत्र राजाराम उर्फ रज्जू गुप्ता उम्र करीब 50 वर्ष निवासी ग्राम मौहारी थोक कस्बा शाह थाना गाजीपुर फतेहपुर को नियमानुसार गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

उत्तर प्रदेश पुलिस के "ऑपरेशन कन्विक्शन" अभियान के तहत जीआरपी प्रयागराज को मिली बड़ी सफलता

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पुलिस के "ऑपरेशन कन्विक्शन" अभियान के तहत जीआरपी प्रयागराज को बड़ी सफलता मिली है। प्रभावी विवेचना एवं सशक्त पैरवी के परिणामस्वरूप शातिर अभियुक्त विजय कुमार पटेल उर्फ विजयी पुत्र राधेश्याम पटेल, निवासी देवरी खुर्द, थाना करछना, जनपद प्रयागराज को 14 अलग-अलग मुकदमों में दोषी ठहराते हुए न्यायालय ने सजा सुनाई है।

पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निर्देशन में संचालित अभियान के अंतर्गत पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी पुलिस महानिरीक्षक रेलवे जोन प्रयागराज एन. कोलान्ची, पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज प्रशांत वर्मा, पुलिस उपाधीक्षक रेलवे प्रयागराज अरुण पाठक तथा प्रभारी निरीक्षक जीआरपी प्रयागराज अकलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप 31 जुलाई 2026 को एडीजे-15 (एससी/एसटी), प्रयागराज की अदालत ने अभियुक्त को 14 मामलों में दोषसिद्ध पाया गया। न्यायालय ने विभिन्न मुकदमों में अभियुक्त को जेल में बिताई गई अवधि की सजा के साथ अर्थदंड भी लगाया है। अधिकांश मामलों में 100 रुपये का अर्थदंड तथा धारा 328 से संबंधित मामलों में प्रत्येक धारा के तहत 300-300 रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। अर्थदंड जमा न करने की स्थिति में अतिरिक्त कारावास का भी प्रावधान किया गया है।

अभियुक्त के विरुद्ध वर्ष 2017 एवं 2018 के दौरान जीआरपी प्रयागराज थाने में चोरी, चोरी का माल रखने तथा नशीला पदार्थ देकर चोरी करने जैसे गंभीर अपराधों से संबंधित कुल 14 मुकदमे दर्ज थे। सभी मामलों में न्यायालय द्वारा दोषसिद्धि होने को जीआरपी प्रयागराज की प्रभावी विवेचना एवं मजबूत अभियोजन का परिणाम माना जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि "ऑपरेशन कन्विक्शन" का उद्देश्य गंभीर एवं लंबित मामलों में प्रभावी पैरवी कर अपराधियों को शीघ्र सजा दिलाना है, जिससे कानून-व्यवस्था सुदृढ़ हो तथा अपराधियों में कानून का भय बना रहे।

20 लाख के 121 मोबाइल बरामद, स्वामियों को लौटाए, खिले चेहरे

हनुमान प्रसाद शुक्ल

फतेहपुर। रविवार को फतेहपुर पुलिस ने जिले के अलग-अलग थानों से चोरी, स्नेचिंग और गायब हुए 121 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनकी अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपये आंकी जा रही है। पुलिस ने बरामद फोन को उनके मालिकों को वापस कर दिया। अपर पुलिस अधीक्षक ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि बरामद मोबाइल उनके असली स्वामियों को पहचान व सत्यापन के बाद लौटा दिए गए। यह सफलता सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी पाम्बी-पां रजिस्टर) पोर्टल की मदद से मिली है। उन्होंने बताया कि सीईआईआर पोर्टल से अब मोबाइल चोरी और खोने के मामलों में त्वरित ट्रैकिंग संभव हो गई है।

सीओ द्वारा कस्बा चायल में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया गया जायजा

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी । रविवार को क्षेत्राधिकारी चायल शिवांक सिंह द्वारा थाना चायल क्षेत्रान्तर्गत कस्बा चायल में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। गश्त के दौरान बाजार, प्रमुख चौराहों एवं सार्वजनिक स्थानों का निरीक्षण कर आमजन से संवाद स्थापित किया गया तथा सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई।

इस दौरान संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों की सघन चेकिंग कर लोगों से सतर्क रहने, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने तथा शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई।

राकेश हत्याकांड का आरोपी दोषी करार: बिजनौर कोर्ट 4 अगस्त को सुनाएगी सजा पर फैसला

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर, बिजनौर की अपर जिला एवं सत्र न्यायालय में विशेष अतिरिक्त न्यायाधीश लोकेश नागर की अदालत ने गवाही की रंजिश में हुए राकेश कुमार हत्याकांड में सात आरोपियों को दोषी करार दिया है। अदालत इस मामले में 4 अगस्त को सजा सुनाएगी। वहीं, साक्ष्यों के अभाव में तीन आरोपियों को बरी कर दिया गया है।

अदालत ने रॉबिन, पीयूष, चंद्रवीर उर्फ बिट्टू, अक्षय, सोनू, शुभम और जयवीर को हत्या का दोषी माना है। वहीं, गुड्डी उर्फ सुदेशना, राजपाल उर्फ इच्छाराम और मोनिका को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया। सुनवाई के दौरान एक आरोपी राहुल की मृत्यु हो गई, जबकि आरोपी आदित्य पुलिस हिरासत से फरार होने के बाद पुलिस मुठभेड़ में मारा गया।

अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (एडीजीसी) मुकेश चौहान और वादी पक्ष के अधिवक्ता राधेश्याम चिकारा के अनुसार, घटना 27 सितंबर 2018 को शाम करीब 7:30 बजे की है। राकेश कुमार अपनी पत्नी मंतोष देवी के साथ बाइक से बुढ़नपुर बाजार से अपने

गांव राणा नगला लौट रहे थे। रास्ते में गांव बेरखेड़ा के पास आरोपियों ने उन्हें रोक लिया।राकेश ने अनहोनी की आशंका में वहां से निकलने की कोशिश की, लेकिन आरोपियों ने उन पर तमंचे से फायरिंग कर दी। गोली लगने से राकेश की मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी मंतोष देवी ने शोर मचाया तो आरोपियों ने उन पर भी जान से मारने की नीयत से फायर किया, लेकिन वह बाल-बाल बच गईं।

मामले की जांच में सामने आया कि घटना से करीब 11 महीने पहले मंतोष देवी के देवर मुकेश की हत्या के मामले में राकेश कुमार गवाह थे। आरोप था कि उसी मुकदमे में गवाही रोकने के लिए आरोपियों ने उन्हें लगातार धमकाया और बाद में उनकी हत्या कर दी।

पुलिस ने विवेचना के बाद रॉबिन, राहुल, पीयूष, प्रदीप, सोनू, अक्षय, बिट्टू उर्फ चंद्रवीर, मोनिका, आदित्य, राजपाल उर्फ इच्छाराम, गुड्डी, जयवीर और शुभम के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। सुनवाई के दौरान मंतोष देवी समेत कई प्रत्यक्षदर्शियों, चिकित्सकों और पुलिस अधिकारियों के बयान दर्ज किए गए।

सभी साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अदालत ने सात आरोपियों को दोषी ठहराया है। अब इस चर्चित हत्याकांड में 4 अगस्त को सजा का ऐलान किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री पहुंचे स्वरूपरानी चिकित्सालय, स्वास्थ्य सुविधाओं एवं अन्य व्यवस्था का लिया जायजा

100 बेड अस्पताल के निर्माण कार्य को तत्काल प्रारम्भ कराये जाने के दिए निर्देश

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने रविवार को स्वरूपरानी चिकित्सालय पहुंचकर चिकित्सालय की व्यवस्था एवं लोगों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान एसआरएन की पुरानी बिल्डिंग के विभिन्न वार्डों, आपातकालीन सेवाओं, अन्य चिकित्सा ईकाईयों, निमार्णाधीन चिल्ड्रेन हॉस्पिटल सहित अन्य निमार्णाधीन भवनों का निरीक्षण करते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं एवं निर्माणकार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उपमुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान पुरानी बिल्डिंग में क्षतिग्रस्त फालसिलिंग व उखड़ी हुई खिड़कियों को देखकर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा जल्द से जल्द मरम्मत के निर्देश दिए। उन्होंने पुराने वायरिंग को व्यवस्थित कराये जाने तथा सुरक्षा के दृष्टिगत विद्युत बॉक्स पर पैनल लगाने अथवा लकड़ी व फाइबर लगाकर बंद कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने गैलरी में लगे हुए अग्निशामक यंत्रों की एक्सपायरी डेट चेक की, जो कि इसी माह एक्सपायर हो रही है। इस पर उपमुख्यमंत्री ने उपकरणों को बदले जाने का निर्देश दिया है। उपमुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान रोगियों व उनके परिजनों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की जानकारी ली। उपमुख्यमंत्री ने निमार्णाधीन कार्यों

का निरीक्षण करते हुए निर्माण कार्य की सामग्री का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वहां पर लगायी जा रही ईट की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं प्रतीत होने पर उनकी गुणवत्ता की जांच कराये जाने तथा वहां पर रखी हुई ईटों का प्रयोग नहीं किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने निमार्णाधीन चिल्ड्रेन हॉस्पिटल की बिल्डिंग का निरीक्षण करते हुए कार्यों में तेजी लाए जाने तथा सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से तय समयसीमा के अन्तर्गत पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा कार्यों का पुनः निरीक्षण किया जायेगा, इसलिए सभी कार्य मानक के अनुसार तेजी से पूर्ण करा लिए जाए।

उपमुख्यमंत्री ने प्राचार्य से स्वीकृत हुए 100 बेड अस्पताल के बिल्डिंग के निर्माण कार्य को तत्काल प्रारम्भ कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने प्राचार्य से उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के निदेर्शों का पालन करते हुए स्वरूपरानी चिकित्सालय के उच्चीकृत किए जाने हेतु कार्य योजना बनाये जाने के निर्देश दिए हैं। उपमुख्यमंत्री ने प्राचार्य, मुख्य अधीक्षिका व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की तथा अस्पताल परिसर की स्वच्छता, पेयजल, दवा वितरण, चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता, आपातकालीन सेवाओं तथा अन्य व्यवस्थाओं एवं चिकित्सकीय सुविधाओं के बारे में प्राचार्य से जानकारी ली और सभी सुविधाओं को चुस्त-दुरूस्त बनाये रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि चिकित्सालय में स्वच्छता व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता में रहे और हर मरीज को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण इलाज मिले। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से मरीजो के साथ संवेदनशील और मानवीय व्यवहार किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी, शिकायतों का त्वरित निस्तारण और सेवाओं को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए है।

कांवड़ यात्रा मार्ग पर मांस की दुकानें संचालित किए जाने का आरोप, कार्रवाई की मांग

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नगर पंचायत लालगोपालगंज क्षेत्र में कांवड़ यात्रा मार्ग पर मांस एवं बिरयानी की दुकानों के संचालन को लेकर विवाद सामने आया है। इस संबंध में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के गंगापार जिला अध्यक्ष संजय तिवारी ने जिलाधिकारी एवं पुलिस कमिश्नर प्रयागराज को संबोधित ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि लालगोपालगंज तिराहा (लखनऊ मार्ग), जेठवारा मार्ग एवं बरौंधा मार्ग सावन माह में घुईशरनाथ धाम, प्रतापगढ़ जाने वाले कांवड़ यात्रियों का प्रमुख मार्ग है। इसके बावजूद कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से मांस एवं बिरयानी की दुकानें संचालित करने अथवा खोलने का प्रयास किया जा रहा है। ज्ञापन में यह भी दावा किया गया है कि स्थानीय पुलिस एवं लालगोपालगंज चौकी प्रभारी अजय कुमार सिंह द्वारा मना किए जाने के बावजूद कुछ लोग दुकानें खोलने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे कांवड़ यात्रियों एवं हिंदू समाज में आक्रोश व्याप्त है। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष संजय तिवारी ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा यदि किसी द्वारा नियमों का उल्लंघन किया जा रहा हो तो संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्र में शांति, कानून-व्यवस्था एवं सांप्रदायिक सौहार्द बना रहे।

हरिद्वार में छिपा 50 हजार का इनामी एसटीएफ के हत्थे चढ़ा

कर्नलगंज के फायरिंग-बमबाजी कांड में था फरार, गिरफ्तारी से बचने के लिए बदलता रहा ठिकाने

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। कर्नलगंज थाना क्षेत्र में मार्च 2026 में हुई फायरिंग और बमबाजी की सनसनीखेज वारदात के मामले में फरार चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी राहुल काछी उर्फ राहुल कुशवाहा को उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने उत्तराखंड के हरिद्वार से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी हत्या के प्रयास के मुकदमे में वांछित था और उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

एसटीएफ प्रयागराज इकाई को सूचना मिली थी कि राहुल हरिद्वार के पिरान कलियर क्षेत्र में छिपकर रह रहा है। पुलिस उपाधीक्षक शैलेश प्रताप सिंह के पर्यवेक्षण में निरीक्षक जय प्रकाश राय के नेतृत्व में उपनिरीक्षक विनय तिवारी, मुख्य आरक्षी अभिषेक मिश्रा, प्रवीण जायसवाल, किशन चंद्र, आरक्षी अजीत राय और चालक रविकांत सिंह की टीम ने साबरी स्टार गेस्ट हाउस के कमरा नंबर-107 में छापा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में राहुल ने बताया कि मार्च 2026 में कटरा में उसका और उसके साथियों का शिवम त्रिपाठी से विवाद हुआ था। इसके बाद जानलेवा हमला करते हुए फायरिंग और बमबाजी की गई, जिसमें कई लोग घायल हुए थे। इस मामले में सुंदरम त्रिपाठी की तहरीर पर कर्नलगंज थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। घटना के बाद वह गिरफ्तारी से बचने के लिए पहले हावड़ा चला गया। वहां करीब दो माह रहने के बाद बहराइच में किराये का कमरा लेकर रहने लगा। इनाम घोषित होने की जानकारी मिलने पर वह हरिद्वार भाग गया और वहीं पहचान छिपाकर रह रहा था। एसटीएफ के मुताबिक राहुल काछी का लंबा आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ प्रयागराज के दारागंज, कर्नलगंज, झूंसी और कैंट थानों में हत्या, हत्या के प्रयास, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट, विस्फोटक अधिनियम समेत 11 मुकदमे दर्ज हैं।

पूछताछ में आरोपी ने वर्ष 2017 के चर्चित दारागंज बम और गोलीकांड का भी जिक्र किया। उसने बताया कि गगन निषाद पर हुए हमले के दौरान बम की चपेट में आकर सब्जी खरीद रहे अखिलेश त्रिपाठी घायल हो गए थे, जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई थी। अखिलेश त्रिपाठी महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के पौत्र थे। उस मामले में राहुल वर्ष 2018 में गिरफ्तार होकर जेल भी जा चुका है।

एसटीएफ ने आरोपी को हरिद्वार में गिरफ्तार कर कर्नलगंज पुलिस को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ट्रांजिट रिमांड पर प्रयागराज लाकर उससे आगे पूछताछ और विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व छात्र नेता रजनीश सिंह कांग्रेस में शामिल, सैकड़ों समर्थकों संग थामा पार्टी का दामन

प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने दिलाई सदस्यता, 8 अगस्त के छात्र सम्मेलन में बड़ी भागीदारी का किया दावा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व छात्र नेता एवं इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता रजनीश सिंह 'रिशु' ने रविवार को अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। सिविल लाइंस स्थित शंकर मेमोरियल हॉल में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी की मौजूदगी में उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। नेताओं ने उन्हें कांग्रेस का पटका पहनाकर स्वागत किया।

रजनीश सिंह छात्र राजनीति में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। उन्होंने कहा कि छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर उन्होंने कई आंदोलन किए और इसके चलते जेल भी जाना पड़ा।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद रजनीश सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) और भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि देश में सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और युवाओं के अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने छात्र-छात्राओं पर दर्ज मुकदमों, पुलिस कार्रवाई और रोजगार से जुड़े मुद्दों को लेकर भी सरकार की आलोचना की।

रजनीश सिंह ने कहा कि वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे और देशभर में छात्रों के साथ हुई कथित घटनाओं का विरोध करेंगे। उन्होंने दावा किया कि 8 अगस्त को शाम छह बजे केपी ग्राउंड में आयोजित छात्र कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल होंगे।

गर्भवती विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला, पुलिस हिरासत में पति

कानपुर। नरवल थाना क्षेत्र के पाली खुर्द गांव में रविवार को गर्भवती विवाहिता का शव घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच के तहत पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान साधना (24) के रूप में हुई है। उसका विवाह करीब चार वर्ष पहले ओमप्रकाश से हुआ था। दंपति का एक बेटा है। रविवार शाम घर के कमरे में महिला का शव दुपट्टे के सहारे फंदे से लटका मिला, जिसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही नरवल थाना प्रभारी अनिल सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

सामाजिक शुचिता के लिए नशे पर नियंत्रण जरूरी - प्रोफेसर पी के साहू

प्रधानमंत्री के संदेश का मुक्त विश्वविद्यालय में हुआ लाइव प्रसारण

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं इसके 12 क्षेत्रीय केन्द्रों में प्रधानमंत्री द्वारा विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा संकल्प अभियान के रविवार को किये गए शुभारम्भ पर प्रधानमंत्री के संदेश के लाइव प्रसारण को सुन कर उसे अमल में लाने का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय में चल रहे नशा मुक्त भारत अभियान पखवाड़ा के अंतर्गत नशा और नशा मुक्ति विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता प्रोफेसर पीके साहू, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने नशे की समस्या को सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से समझने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत की विविधता के कारण कई क्षेत्रों में नशा युक्त पेय और खाद्य पदार्थ परंपरा का हिस्सा बन गए हैं। इन्हें अचानक बंद नहीं किया जा सकता, लेकिन लोगों को इनके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक अवश्य किया जा सकता है। गांधी जी के मद्य निषेध आंदोलन का उल्लेख करते हुए प्रो. साहू ने कहा कि सामाजिक शुचिता के लिए नशे पर नियंत्रण जरूरी है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि पंजाब, पूर्वोत्तर राज्य और राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में सिंथेटिक ड्रग्स का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है, जिससे युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है। प्रो. साहू ने इस समस्या के समाधान के लिए एक दीर्घकालिक प्रोजेक्ट की रूपरेखा प्रस्तुत की और माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम से इसे लागू करने का आग्रह किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. सत्यकाम ने मुख्य वक्ता प्रो. साहू को आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय इस नशा मुक्ति प्रोजेक्ट में पूरी भागीदारी निभाएगा। उन्होंने उपस्थित निदेशकों, आचार्यों, सह आचार्यों, सहायक आचार्यों तथा शोधार्थियों को इस आंदोलन से जुड़ने का सीधा निर्देश दिया। कुलपति ने विशेष रूप से शोधार्थियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक शोधार्थी अपने क्षेत्र में एक सर्वे करे और नशे से जुड़े आंकड़े इकट्ठा करके शिक्षा विद्याशाखा में प्रस्तुत करे। उनका मानना था कि जमीनी स्तर के आंकड़े ही नीति निर्माण में मदद करेंगे। अपने संबोधन में प्रो. सत्यकाम ने परिवारों से भी अपील की। उन्होंने कहा कि माता-पिता को अपने बच्चों और परिवार के सदस्यों पर विशेष नजर रखनी चाहिए। अक्सर हमें पता ही नहीं चल पाता कि हमारे बच्चे कब नशे की लत में पड़ गए और जब पता चलता है तब बहुत देर हो चुकी होती है। उन्होंने कहा कि बच्चों की किसी भी गतिविधि का सबसे पहले पता मां को ही लगता है। मां समाज और परिवार की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है और नशा मुक्ति में उसकी भूमिका निर्णायक है। इसलिए माताओं को जागरूक और सशक्त बनाना इस अभियान की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। अंत में कुलपति ने प्रो. साहू द्वारा सुझाए गए प्रोजेक्ट पर विस्तृत चर्चा की और इस पर तुरंत कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध और सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से नशा मुक्ति के राष्ट्रीय अभियान में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर पी के स्टालिन ने अतिथियों का वाचिक स्वागत करते हुए व्याख्यान के विषय का प्रवर्तन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजय कुमार सिंह ने तथा डॉ बाल गोविंद सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

पार्थिव शिवार्चन से समस्त पातकों का होता है नाश : डॉ. रजनीकांत द्विवेदी

जौनपुर। श्रावण मास के अवसर पर रविवार को नगर के बड़े श्री हनुमान मंदिर परिसर में पंडित बांके महाराज ज्योतिष संस्थान के तत्वावधान तथा आचार्य (डॉ.) रजनीकांत द्विवेदी के सान्निध्य में 35,035 पार्थिव शिवलिंग पूजन एवं महारुद्राभिषेक का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में काशी, अयोध्या और प्रयागराज से आए वैदिक विद्वानों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नमक-चमक विधि से महारुद्राभिषेक संपन्न कराया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर आचार्य (डॉ.) रजनीकांत द्विवेदी ने कहा कि श्रावण मास में पार्थिव शिवलिंग की पूजा और रुद्राभिषेक का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि पार्थिव शिवार्चन से समस्त पातकों का नाश होता है तथा भगवान शिव की कृपा से भक्तों के कष्ट दूर होकर मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उन्होंने बताया कि शास्त्रों में भगवान शिव के

विभिन्न अभिषेकों का अलग-अलग फल बताया गया है। जल से वर्षा, गौदुग्ध से पुत्र प्राप्ति, ईख के रस से लक्ष्मी, घृत से कल्याण, मधु से पाप क्षय तथा कुशोदक से रोग शांति की कामना की जाती है।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने भी लंका विजय से पूर्व समुद्र तट पर पार्थिव शिवलिंग बनाकर शिव आराधना की थी। कलियुग में पार्थिव शिवलिंग पूजन को अत्यंत फलदायी बताया गया है। रुद्राभिषेक से साधक के पापकर्म क्षीण होते हैं और उसमें शिवत्व का उदय होता है। उन्होंने पार्थिव शिवलिंग पूजन की विभिन्न कामनाओं के अनुसार निर्धारित संख्याओं का भी उल्लेख किया।

कार्यक्रम में प्रमुख यजमान के रूप में विवेक पाठक,नीरज उपाध्याय, शशांक सिंह,जे.पी. सिंह, राजेश एवं अर्चना सिंह, संजय सिंह, रत्नेश सिंह, संतोष गुप्ता, डॉ. आर.पी. गुप्ता, सीए संजय गुप्ता, संतोष साहू, सुनील सेठ, निकेश सेठ, विक्की सेठ सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विश्व प्रसिद्ध रामनगर की रामलीला में भगवान गणेश का पूजन, रामलीला 25 सितंबर से

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में वाराणसी रामनगर की विश्वप्रसिद्ध रामलीला की तैयारियों का औपचारिक शुभारंभ रविवार को प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश के विधि-विधान से पूजन के साथ हुआ। रामनगर चौक स्थित 'रामलीला पक्की' परिसर में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान के साथ ही रामलीला में प्रयोग होने वाले विभिन्न यंत्रों, मुखौटों तथा मुख्य स्वरूपों के प्रशिक्षण का भी शुभारंभ किया गया।

शाम पांच बजे से आयोजित गणेश पूजन में काशी नरेश (रामनगर किला) के वंशज डॉ. अनंत नारायण सिंह के प्रतिनिधि एवं रामलीला ट्रस्ट के मंत्री डॉ. जय प्रकाश पाठक की उपस्थिति में वैदिक रीति से पूजा संपन्न हुई। डॉ. पाठक स्वयं पूजा में शामिल हुए। अनुष्ठान के दौरान सर्वप्रथम विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश एवं भगवान हनुमान के मुखौटों का शास्त्रोक्त विधि से पूजन-अर्चन किया गया। इसके बाद आचार्यों और ब्राह्मणों ने रामलीला के संवादों का पारंपरिक पाठ किया, जिसे मुख्य स्वरूपों ने दोहराया। कार्यक्रम के अंत में स्वरूपों का तिलक कर माल्यार्पण किया गया, उन्हें दक्षिणा प्रदान की गई तथा आरती के पश्चात प्रसाद वितरित किया गया।

बताते चले इस वर्ष द्वितीय गणेश पूजन 14 सितंबर को होगा, जबकि विश्वप्रसिद्ध रामनगर रामलीला का शुभारंभ 25 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर होगा। लगभग एक माह तक चलने वाली इस ऐतिहासिक रामलीला का समापन भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक के भव्य आयोजन के साथ होगा।

नवनिर्मित त्रिवेणी सभागार का हुआ शुभारंभ

अजय कुमार

होलागढ़/प्रयागराज। जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड होलागढ़ कैंपस में बेमिसाल सभागार का उद्घाटन मुख्य अतिथि रहे फूलपुर सांसद प्रवीण कुमार पटेल ने फीता काटकर किया। विशिष्ट अतिथि फाफामऊ विधायक गुरु प्रसाद मौर्य के साथ ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि विनोद तिवारी व क्षेत्र के भाजपा पदाधिकारीगण व कार्यकर्ता के साथ बड़ी संख्या में प्रधान प्रतिनिधि व क्षेत्र पंचायत सदस्य और ब्लाक की खण्ड विकास अधिकारी कविता तिवारी एवं समस्त स्टॉप उपस्थित रहा।

त्रिवेणी सभागार का निर्माण वर्तमान ब्लाक प्रमुख रहे स्वर्गीय राम फकीरे की स्मृति में प्रमुख प्रतिनिधि विनोद तिवारी के द्वारा करवाया गया, जो जिले में बेमिसाल है। इस तरह का और इतना बड़ा सभागार जिले के किसी भी ब्लॉक में अभी तक नहीं बना है यह सभागार अपने आप में बेमिसाल है इस बात को सांसद प्रवीण पटेल ने कहा। सभागार में समूचे ब्लाक के प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य एक साथ बैठकर मीटिंग कर सकते हैं।

डिप्टी सीएम ने आर.बी.एस. ग्रुप के संस्थापक प्रो. डॉ. चंद्रकांत शुक्ला को दी श्रद्धांजलि

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने रविवार को प्रयागराज प्रवास के दौरान लोहिया मार्ग स्थित आर.बी.एस. ग्रुप के चेयरमैन आर्यन शुक्ला एवं उदितांशु शुक्ला के आवास पर पहुंचकर परिवार के सदस्यों से भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने आर.बी.एस. ग्रुप के संस्थापक स्वर्गीय प्रोफेसर डॉ. चंद्रकांत शुक्ला को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संवेदना व्यक्त की।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने परिजनों से मुलाकात कर दिवंगत प्रो. डॉ. चंद्रकांत शुक्ला के सामाजिक एवं शैक्षिक योगदान को स्मरण किया। कार्यक्रम में प्रोफेसर अमोल अग्निहोत्री, वैभव सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील मिश्रा, पूर्व विधायक कलेक्टर पांडेय,

पूर्व जिला अध्यक्ष विभवनाथ भारती, जिला उपाध्यक्ष पुष्पराज सिंह पटेल सहित अन्य कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

डॉ. गाजी समेत छह को 'देशभक्त गौरव सम्मान'

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादमी और जगदीश साहित्य संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को रमादेवी इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान गुफ़्तगू के अध्यक्ष डॉ. इम्तियाज अहमद गाजी समेत छह लोगों को 'देशभक्त गौरव सम्मान' से नवाजा गया। डॉ. गाजी को इससे पहले उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, इटावा हिन्दी सेवा निधि समेत कई अन्य संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

रविवार को डॉ. गाजी के अलावा 'देशभक्त गौरव सम्मान' मनमोहन सिंह 'तन्हा', सरदार जसप्रीत सिंह, नीना मोहन श्रीवास्तव, केवल कृष्ण हसीन और जगदीश कौर को प्रदान किया गया। इस मौके पर पंजाबी अकादमी के जनसंपर्क अधिकारी अरविन्द नारायण मिश्र, महंत ज्ञान सिंह, सरदार मंजीत सिंह, महेश जी कपूर, सरदार सत्येंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

आधार क्लोनिंग-बायपास गिरोह का एक और सदस्य गिरफ्तार, दो मोबाइल बरामद

यूआईडीएआई की सुरक्षा व्यवस्था को बायपास कर करता था आधार बनाने और अपडेट का काम, साइबर क्राइम थाने की कार्रवाई

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। यूआईडीएआई की आधार प्रणाली को क्लोनिंग और बायपास तकनीक के जरिए अवैध रूप से इस्तेमाल कर आधार कार्ड बनाने और अपडेट करने वाले गिरोह के खिलाफ साइबर क्राइम थाना पुलिस की कार्रवाई जारी है। पुलिस ने मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो एंड्रॉयड मोबाइल बरामद किए हैं। आरोपी को न्यायालय में पेश कर विधिक कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार साइबर क्राइम थाने में दर्ज मुकदमा संख्या 50/2026 में जांच के दौरान प्रतापगढ़ के कुंडा थाना क्षेत्र के जालिमगंज, बसहीपुर निवासी संजूले गुप्ता को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सामने आया कि वह गिरोह के अन्य सदस्यों के माध्यम से यूआईडीएआई की वेबसाइट में अनधिकृत प्रवेश का लिंक प्राप्त करता था और नियमों के विरुद्ध आधार नामांकन व आधार अपडेट का कार्य करता था।

जांच में पता चला कि करीब दो वर्ष पहले बैंकों के साथ अनुबंध समाप्त

होने के बाद कई आधार ऑपरेटरों की आईडी निष्क्रिय हो गई थीं। इसी दौरान एक पूर्व आधार ऑपरेटर ने आरोपी की मुलाकात क्लोनिंग-बायपास तकनीक का इस्तेमाल करने वाले तकनीकी व्यक्ति से कराई। सौदे के तहत आधार ऑपरेटर की आईडी सक्रिय करने के लिए प्रति सत्र पांच हजार रुपये और प्रत्येक आधार बनाने या अपडेट करने पर 250 रुपये लिए जाते थे।

पुलिस के मुताबिक व्हाट्सएप के माध्यम से ऑपरेटर की अल्ल८उ२' आईडी मंगाई जाती थी। इसके बाद रिमोट एक्सेस के जरिए कंप्यूटर सिस्टम में लॉगिन कर यूआईडीएआई की सुरक्षा व्यवस्था को बायपास किया जाता था और अनधिकृत रूप से आधार नामांकन व अपडेट का कार्य किया जाता था।

आरोपी के कब्जे से दो एंड्रॉयड मोबाइल बरामद किए गए हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में निरीक्षक रोहित तिवारी, उपनिरीक्षक राहुल कुमार, आरक्षी रूप सिंह और आरक्षी सुधांशु शेखर राय शामिल रहे।

साइबर क्राइम थाना पुलिस मामले में गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है। पुलिस ने लोगों से साइबर अपराध के प्रति सतर्क रहने और किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी का शिकार होने पर तत्काल 1930 हेल्पलाइन या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की है।

संपादकीय

लंबी उम्र, लेकिन जीवन स्वस्थ क्यों नहीं? ..

मान लो "यदि किसी व्यक्ति की आयु 80 वर्ष है, लेकिन अंतिम 10से15 वर्ष अस्पतालों, दवाइयों और दूसरों पर निर्भरता में बीतते हैं, तो क्या इसे वास्तविक प्रगति कहा जा सकता है?" यही प्रश्न आज पूरे विश्व के सामने खड़ा है। पिछले कुछ दशकों में चिकित्सा विज्ञान ने औसत जीवन-प्रत्याशा बढ़ाने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। भारत सहित अधिकांश देशों में लोग पहले की तुलना में अधिक समय तक जीवित रह रहे हैं। किंतु इसके साथ एक चिंताजनक प्रवृत्ति भी तेजी से उभरकर सामने आई है! लोग अधिक वर्ष तो जी रहे हैं, परंतु जीवन के अंतिम 8 से 10 वर्ष गंभीर बीमारियों, शारीरिक अक्षमता और मानसिक तनाव के बीच बिताने को विवश हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य वैश्विक स्वास्थ्य अध्ययनों में बार-बार यह तथ्य सामने आया है कि जीवन-प्रत्याशा बढ़ने के बावजूद स्वस्थ जीवन-प्रत्याशा उतनी तेजी से नहीं बढ़ी। अर्थात मनुष्य की आयु तो बढ़ रही है, लेकिन स्वस्थ रहने के वर्ष अपेक्षाकृत कम हैं।इसका सबसे बड़ा कारण बदलती जीवनशैली है। आधुनिक जीवन ने मनुष्य को सुविधाएं तो दी हैं, लेकिन शारीरिक श्रम छीन लिया है। घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, मोबाइल और कंप्यूटर पर निर्भरता, जंक फूड, अत्यधिक चीनी और नमक का सेवन, नींद की कमी तथा मानसिक तनाव ने शरीर की प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर दिया है। परिणामस्वरूप मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, कैंसर, गठिया, किडनी रोग, फैटी लिवर और अल्जाइमर जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। पहले संक्रामक रोग मृत्यु का प्रमुख कारण थे, लेकिन आज गैर-संचारी रोग सबसे बड़ी चुनौती बन चुके हैं। हृदय रोग, स्ट्रोक, मधुमेह और कैंसर देश में होने वाली अधिकांश मौतों और दीर्घकालिक विकलांगता के प्रमुख कारण हैं। इन बीमारियों का प्रभाव केवल वृद्धावस्था तक सीमित नहीं रहा; अब 35 से 50 वर्ष की आयु के लोग भी इनके शिकार हो रहे हैं। एक और महत्वपूर्ण कारण है - चिकित्सा विज्ञान की सफलता। पहले जिन बीमारियों से व्यक्ति की मृत्यु हो जाती थी, आज आधुनिक उपचार उन्हें लंबे समय तक जीवित रखता है। लेकिन कई बार यह अतिरिक्त जीवन पूर्णतः स्वस्थ नहीं होता, बल्कि दवाओं, नियमित जांच और चिकित्सकीय देखभाल पर निर्भर होता है। अर्थात चिकित्सा ने मृत्यु को टाल दिया है, किंतु हर स्थिति में पूर्ण स्वास्थ्य वापस नहीं ला पाई है। मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही गंभीर विषय बन चुका है। अकेलापन, अवसाद, चिंता, सामाजिक अलगाव और डिजिटल जीवनशैली ने वृद्धावस्था को और कठिन बना दिया है। संयुक्त परिवारों के विघटन के कारण अनेक बुजुर्ग भावनात्मक सहारे से भी वंचित हो रहे हैं! परिणामस्वरूप शारीरिक बीमारी के साथ मानसिक पीड़ा भी बढ़ रही है। हालांकि इस तस्वीर का दूसरा पक्ष भी है। दुनिया के अनेक क्षेत्रों में ऐसे समुदाय हैं, जहां लोग 90से100 वर्ष की आयु तक अपेक्षाकृत स्वस्थ रहते हैं। वैज्ञानिकों ने पाया है कि इन लोगों की कुछ सामान्य आदतें होती हैं, संतुलित प्राकृतिक भोजन, नियमित शारीरिक श्रम, पर्याप्त नींद, तनाव पर नियंत्रण, सामाजिक जुड़ाव और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण। इसका अर्थ स्पष्ट है कि वृद्धावस्था की अधिकांश समस्याएं केवल उम्र का परिणाम नहीं, बल्कि जीवनशैली की भी परिणाम हैं।भारत जैसे देश के लिए अब स्वास्थ्य नीति का लक्ष्य केवल जीवन बचाना नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन के वर्षों को बढ़ाना होना चाहिए। प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना, नियमित स्वास्थ्य जांच, योग, व्यायाम, पौष्टिक भोजन, तंबाकू और शराब से दूरी, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान तथा बुजुर्गों के लिए सम्मानजनक सामाजिक वातावरण तैयार करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

हमें यह भी समझना होगा कि स्वास्थ्य केवल अस्पतालों से नहीं आता; वह घर की रसोई, सुबह की सैर, संतुलित दिनचर्या, तनावमुक्त जीवन और सामाजिक संबंधों से भी निर्मित होता है। यदि बचपन से ही स्वस्थ जीवनशैली अपनाई जाए, तो जीवन के अंतिम वर्षों को भी सक्रिय, आत्मनिर्भर और गरिमापूर्ण बनाया जा सकता है। अब प्रश्न केवल लंबी उम्र का नहीं, बल्कि अच्छी उम्र का है। यदि विज्ञान हमें अधिक वर्ष दे रहा है, तो समाज और व्यक्ति दोनों की जिम्मेदारी है कि उन वर्षों को स्वस्थ, सक्रिय और आनंदपूर्ण बनाया जाए। विकास का वास्तविक अर्थ तभी होगा, जब मनुष्य केवल अधिक समय तक न जिए, बल्कि जीवन के अंतिम क्षण तक सम्मान, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता के साथ जी सके।

कांवड़ यात्रा : भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर

सावन महीने की शुरूआत होते ही हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक, गंगा गंगोत्री से लेकर रामेश्वरम तक सम्पूर्ण भारत शिवमय हो उठता है। सावन माह में शि?वभक्तों की विशाल पदयात्राएं जो कांवड़ यात्रा के नाम से जानी जाती है, भारतीय संस्कृति की जीवंतता का अनुपम दृश्य प्रस्तुत करती हैं। कंधों पर सुसज्जित कांवड़, मुख पर ₹बोल बम₹ का उद्घोष, हृदय में भगवान शिव के प्रति अनन्य भक्ति। यही है कांवड़ यात्रा का वास्तविक स्वरूप। कांवड़ यात्रा केवल एक सामान्य यात्रा नहीं है बल्कि ये तपस्या, भक्ति और श्रद्धा की वह गाथा है जो शताब्दियों से चली आ रही है। धर्मशास्त्रों के अनुसार जब कांवड़ से जुड़े दोनों पात्र जिन्हें ब्रह्मघट और विष्णुघट कहा जाता है, पवित्र जल से भर लिए जाते हैं, उन्हें एक बांस की डण्डी के सहारे सजा-धजा कर और पूजित कर स्थापित कर दिया जाता है। धर्मशास्त्रों के अनुसार रूद्र अर्थात शिव बांस में समाहित हैं। कांवड़िया कांवड़ के माध्यम से साक्षात ब्रह्मा, विष्णु, शिव, तीनों की कृपा एक साथ प्राप्त करते हैं। भारत में दो कांवड़ यात्राएं होती हैं, दिल्ली से उत्तराखंड-गंगोत्री, ऋषिकेश या हरिद्वार तक की कांवड़ यात्रा और बिहार और झारखंड में सुल्तानगंज से देवघर तक की कांवड़ यात्रा। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश से सैकड़ों-हजारों लोग, युवा से लेकर बुजुर्ग तक, जिनमें महिलाएं और कभी-कभी बच्चे भी कांवड़ यात्रा में भाग लेते हैं। कंधों पर लटका पवित्र जल भगवान शिव को समर्पित है, जिन्हें अक्सर भोला या भोले बाबा कहकर पुकारा जाता है। भोले का अर्थ भोलेनाथ, यानी भगवान शिव भी हो सकता है। इसलिए, तीर्थयात्री भोला और भोले हैं! वर्तमान में, कांवड़ यात्रा विश्व की सबसे बड़ी धार्मिक पदयात्राओं में मानी जाती है। आधुनिक समय में इसकी भव्यता अत्यधिक बढ़ी है, किंतु इसकी आध्यात्मिक जड़ें वैदिक एवं पौराणिक परंपराओं में गहराई तक समाई हुई हैं। प्राचीन ग्रंथों में कांवड़ यात्रा का उल्लेख प्रायः किया जाता है। यह प्रश्न बार-बार पूछा जाता है कि ₹कांवड़ यात्रा₹ का उल्लेख किस ग्रंथ में मिलता है? इसका उत्तर थोड़ा सूक्ष्म है। ₹कांवड़₹ शब्द अपने वर्तमान अर्थ में पुराणों में प्रत्यक्ष रूप से नहीं मिलता। किंतु पवित्र नदी से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करने की परंपरा का वर्णन अनेक पुराणों में स्पष्ट रूप से मिलता है। वर्तमान कांवड़ यात्रा उसी प्राचीन शिवाभिषेक परंपरा का आधुनिक स्वरूप मानी जाती है। अर्थात कांवड़ यात्रा का भाव पुराण सम्मत है, जबकि ₹कांवड़₹ शब्द अपेक्षाकृत उत्तरकालीन लोक प्रचलित नाम है। ₹कंवार₹ शब्द की व्युत्पत्ति, जिसका अर्थ ₹कंधा₹ है। कांवड़ में दूर-दूर से पवित्र नदियों, खासकर गंगा का जल भरकर लाते हैं। इसे पैदल यात्रा करते हुए शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। इस संकल्प यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण होता है कांवड़ को अपने कंधे पर उठाकर ले जाना। यह कोई साधारण परंपरा नहीं है।
इसके पीछे गहराई से जुड़ी पौराणिक मान्यताएं छुपी हुई हैं।

कांवड़ यात्रा का जिक्र किसी पौराणिक ग्रंथ में सीधे तौर पर नहीं मिलता है। इसका भी स्पष्ट रूप से कोई जिक्र नहीं है कि किसने पहली बार कांवड़ यात्रा शुरू की थी, लेकिन लोक व्यवहार में महाबली रावण, महाविष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम, अगस्त्य ऋषि, महर्षि मार्कंडेय, महारथी कर्ण और 61 नयनार संतों में से एक संत कनप्पा जैसे कई नाम शामिल हैं, जिन्होंने महादेव शिव को बड़ी सरल-सहज और आसान विधि से पूजन कर प्रसन्न किया था। रावण और भगवान परशुराम द्वारा तो शिवजी के लिए कांवड़ लाकर भी उनका जलाभिषेक करने का प्रसंग लोक कथाओं में मिलता है, हालांकि पुराणों में हर जगह इनके द्वारा की गई विधिवत पूजा का ही वर्णन मिलता है, जिसमें पंचोपचार पूजन से लेकर, षोडशोपचार पूजन तक का वर्णन मिलता है, फिर भी कांवड़ द्वारा जल लाकर शिवजी के अभिषेक का वर्णन नहीं मिलता है।

देश में महिला विकास की धरातल की स्थिति'

संजीव

भारतीय संदर्भ में महिलाओं के विकास स्वतंत्रता एवं सशक्तिकरण की अलग-अलग तस्वीर पेश की जाती रही है' शासकीय आंकड़ों के हिसाब से उच्च प्रशासनिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी केवल 14% लगभग भूमिका या भागीदारी है ।निजी क्षेत्रों में जो व्यापक स्वतंत्रता एवं उदारीकरण है, वहां भी महिलाओं की उच्च पदों पर पदस्थापना 20% से अधिक नहीं है' सामाजिक संगठन बड़े जोर शोर से महिला स्वतंत्रता एवं सशक्तिकरण के बड़े-बड़े दावे पेश करते हैं, कुल जनसंख्या का 45% महिलाओं का होने के बाद भी भारत में महिला पुरुषों से कम दक्ष एवं कमजोर मानी जाती रही है' वास्तविक स्थिति दशार्ये आंकड़ों के विपरीत ही हैं। भूमंडलीकरण शिक्षा में वृद्धि मानव अधिकारों की वृद्धि एवं सजगता से महिला सशक्तिकरण के आंदोलनों को काफी बल प्राप्त हुआ है। शनी सिगनापुर, हाजी अली दरगाह एवं अन्य स्थानों पर महिलाओं के प्रवेश के लिए सशक्त आंदोलन इसका बड़ा उदाहरण है। आज से 20 वर्ष पूर्ण इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी' ओलंपिक में पूर्वोत्तर राज्य की मीराबाई चानू ने सिल्वर पदक दिलाकर अपनी क्षमता शक्ति एवं ऊर्जा को प्रदर्शित कर यह बता दिया है कि नारी विशेषकर भारत की पुरुषों से कहीं आगे हैं और प्रिया मलिक ने हंगरी में स्वर्ण पदक लाकर बात को प्रमाणित भी कर दिया है' भारत की महिलाएं, साक्षी मलिक ओलंपिक में कांस्य पदक, पी,वी संधू रजत पदक, दीपा मलिक पैरा ओलंपिक में पहली भारतीय महिला द्वारा स्वर्ण प्राप्त,साइना नेहवाल सानिया मिर्जा ने काफी हद तक महिलाओं के स्वरूप को बदलने का प्रयास किया है। इसी प्रकार निजी क्षेत्रों में चंदा

कोचर,इंदिरा नूई, अरुंधति भट्टाचार्य ने आर्थिक जगत की नई ऊंचाइयों को छुआ है। अंतरिक्ष में कल्पना चावला सुनीता विलियम्स ने महिलाओं को बड़ी प्रेरणा दी है, राजनैतिक क्षेत्र में पहली बार नरेंद्र मोदी सरकार ने महिला मंत्रियों को मंत्रिमंडल में जगह देकर उदाहरण प्रस्तुत किया है। इसी तरह किरण बेदी ने पुलिस प्रशासन में एक बड़ी पताका हासिल कर महिला होने पर गर्व करने के लिए लोगों को मजबूर किया है' भारत के संदर्भ में यह माना जाए कि जीवन काल में ही महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में कम स्वतंत्रता प्राप्त है। बचपन के पश्चात जब महिला विद्यालय, विवाह की ओर अग्रसर होती है, तो उसके पहनावे की स्वतंत्रता को सीमित कर दिया जाता है' महिलाओं के वस्त्रों के साथ उसके चरित्र की व्याख्या कर दी जाती है। जबकि इस भूमंडलीकरण या वैश्वीकरण के युग में जहां संस्कृति के आदान-प्रदान का बड़ा महत्व है, और महिलाएं आधुनिकरण के लिए आगे बढ़ती हैं, तो उनका परिवार समाज उन्हें इन सब कार्यों से दूर रख बाधित कर विकास की एक धारा को नियंत्रित कर देता है।

और इस तरह उनके मानसिक स्वतंत्रता को रोक कर उन्हें मानसिक दासता का पात्र बना देता है।घरों में समाज में सदैव लड़कों को घर का उत्तराधिकारी मानकर उन्हें प्रत्येक कार्य में वरीयता प्रदान की जाती है,एवं घर की लड़कियों को कमतर आंक कर केवल घर के कामों में ही व्यस्त रखा जाता है।, यह छोटे या बड़े अंतर ही महिलाओं को मानसिक रूप से गुलामी के लिए मजबूर कर वैचारिक हथकड़ियां पहनाते हैं।

हमें विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी उनकी भूमिका योगदान एवं स्थिति को एकदम स्पष्ट करना आवश्यक है। बहुत महिलाओं की भूमिका का परीक्षण अत्यंत छोटे स्तर पर करना आवश्यक है। महिलाओं को बचपन से ही मानसिक तथा शारीरिक स्वतंत्रता एवं समानता का अधिकार की प्रेरणा दी जानी चाहिए। धीरे बोलना, धीरे हंसना, बाहरी लोगों से दूर रहना एवं बाहर खेलने नहीं जाने की स्वतंत्रता नहीं देना एक तरह से महिलाओं के लिए प्रताड़ना ही है। यह यदि सुरक्षा के दृष्टिकोण से है, तो निश्चित तौर पर महिलाओं के लिए उपयोगी है। पर महिलाओं को स्वतंत्र रूप से उनके कार्य क्षमता के अनुरूप काम ना करने दिया जाना,महिलाओं के स्वतंत्रता सशक्तिकरण में एक बड़ी रुकावट ही है। इसी तरह पारिवारिक मामलों में परिवार के आर्थिक मामलों में उनकी भूमिका कमजोर या नगण्य होती है। इस प्रकार महिलाओं के जीवन के पूर्व काल में महिलाओं की सुनता को सीमित करने का प्रयास किया जाता रहा है।

हमारे देश के संदर्भ में संवैधानिक व विधिक रुप से संविधान की प्रस्तावना के अनुसार मौलिक अधिकार मौलिक कर्तव्य राज्य के नीति निर्देशक तत्व के आधार पर किताबों में महिलाएं स्वतंत्र एवं सशक्त तो हैं। किंतु क्या वास्तविक स्थिति में महिलाएं उतनी स्वतंत्र एवं इतनी सशक्त हैं। जितना कागजों में दिखाया जाता है। महिलाओं को भारत में सशक्त एवं बलशाली करना है,तो उन्हें बचपन से सकारात्मक प्रेरणा देखकर भाई, बहन, चाचा, मामा के बराबरी का अधिकार देकर उनकी शिक्षा शिक्षा मैं वैसे बदलाव लाने की आवश्यकता होगी तब भारत में नारी सशक्तिकरण का सही स्वरूप की अवधारणा बलवती हो पाएगी।

संजीव ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार, स्तंभकार, लेखक चिंतक, रायपुर छत्तीसगढ़, 9009 415 415,

इस आलेख को परिमार्जित कर कुछ बड़े दार्शनिक एवं विख्यात लोगों का वक्तव्य भी दे दीजिए

भारतीय संदर्भ में महिलाओं के अधिकार एवं धरातल पर विकास की वैश्लेषिक पारदर्शिता।

भारतीय समाज में नारी को सदैव शक्ति, सृजन और संवेदना का प्रतीक माना गया है। एक ओर हमारे सांस्कृतिक ग्रंथों में ह्ययत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताह्न का उद्घोष मिलता है, वहीं दूसरी ओर सामाजिक धरातल पर महिलाओं को समान अधिकार, स्वतंत्रता और अवसर प्राप्त करने के लिए निरंतर संघर्ष करना पड़ रहा है। भारतीय संदर्भ में महिलाओं के विकास, स्वतंत्रता और सशक्तिकरण की जो तस्वीर प्रस्तुत की जाती है, वह अनेक बार वास्तविकताओं से भिन्न दिखाई देती है। सरकारी आँकड़े और सामाजिक अभियानों की चमक के पीछे आज भी अनेक महिलाएँ मानसिक, सामाजिक और आर्थिक बंधनों से मुक्त नहीं हो पाई हैं।

भारत की कुल जनसंख्या में लगभग आधी भागीदारी महिलाओं की है, किंतु उच्च प्रशासनिक सेवाओं, निजी क्षेत्रों तथा निर्णयकारी पदों में उनकी उपस्थिति अपेक्षाकृत कम है। प्रशासनिक सेवाओं में महिलाओं की भागीदारी लगभग 14 प्रतिशत तथा निजी क्षेत्रों के उच्च पदों पर उनकी उपस्थिति 20 प्रतिशत के आसपास सीमित होना इस असंतुलन को स्पष्ट करता है। यह स्थिति तब है जब महिलाओं ने शिक्षा, विज्ञान, खेल, राजनीति, प्रशासन और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में अपनी अद्भुत क्षमता का परिचय दिया है।

भूमंडलीकरण, शिक्षा के विस्तार, मानवाधिकार चेतना तथा सामाजिक जागरूकता ने नारी सशक्तिकरण आंदोलनों को नई दिशा प्रदान की है। महाराष्ट्र के शनि शिंगणापुर मंदिर, मुंबई की हाजी अली दरगाह तथा अन्य धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश हेतु चले आंदोलनों ने भारतीय समाज में परिवर्तन की नई चेतना को जन्म दिया। लगभग दो दशक पूर्व ऐसे परिवर्तनों की कल्पना भी कठिन थी, किंतु आज महिलाएँ सामाजिक व धार्मिक रूढ़ियों को चुनौती देते हुए समान अधिकार की माँग कर रही हैं।

खेल जगत में भारतीय महिलाओं ने विश्व स्तर पर देश का गौरव बढ़ाया है। मीराबाई चानू ने ओलंपिक में रजत पदक जीतकर यह सिद्ध किया कि भारतीय नारी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है। प्रिया मलिक ने विश्व कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक अर्जित कर नई पीढ़ी की महिलाओं में आत्मविश्वास का संचार किया। इसी प्रकार साक्षी मलिक, पीवी सिंधु सानिया नेहवाल तथा सानिया मिर्जा जैसी खिलाड़ियों ने महिलाओं की पारंपरिक छवि को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आर्थिक क्षेत्र में चंद्रा कोचर इंदिरा नुवी क तथा अरुंधति भट्टाचार्य ने यह प्रमाणित किया कि महिलाएँ नेतृत्व क्षमता, आर्थिक दृष्टि और प्रबंधन कौशल में भी उत्कृष्ट हैं। अंतरिक्ष विज्ञान में कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स ने महिलाओं को असीम संभावनाओं का आकाश दिखाया। प्रशासनिक क्षेत्र में किरण बेदी ने कठोर अनुशासन, नेतृत्व और साहस का परिचय देकर महिलाओं को नई प्रेरणा दी।

धरती की चेतावनी सुनिए

पूरी दुनिया में मौसम के तेजी से बिगड़ते मिजाज के कारण विभिन्न देशों में प्रकृति की मार अब स्पष्ट नजर आने लगी है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही परिणाम है कि अब हर साल देश के कई हिस्से भारी बारिश के कारण बाढ़ की वजह से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं जबकि कई हिस्से मानसून के दौरान भी पर्याप्त बारिश के लिए तरसते रह जाते हैं। इस वर्ष भी कुछ ऐसे ही हालात हैं। दुनिया के कई ठंडे इलाके अब ग्लोबल वार्मिंग के कारण तपने लगे हैं तो कई सूखे इलाके बाढ़ से त्रस्त हैं, जंगल झुलस रहे हैं। बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा जीव-जंतुओं की कई प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पर्यावरण के तेजी से बदलते इस दौर में वैश्विक स्तर पर लोगों का ध्यान इन समस्याओं की ओर आकृष्ट करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 जुलाई को द्यविश्व प्रकृति संरक्षण दिवसद्ध मनाया जाता है, जिसके माध्यम से वातावरण में हो रहे व्यापक बदलावों के चलते लगातार विलुप्ति के कगार पर पहुंच रही जीव जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों की रक्षा का संकल्प लिया जाता है। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को जागरूक करने के लिहाज से आज के समय में प्रकृति संरक्षण दिवस की महत्ता बढ़ गई है। साल 2020 में कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौर में पूरी दुनिया ने पहली बार प्रकृति को खुलकर मुस्कराते देखा था। तब औद्योगिक इकाइयां, हवाई व रेल यात्राएं, बस यात्रा तथा निजी वाहनों का आवागमन बंद होने से हर तरह के प्रदूषण का स्तर पूर्ण रूप से नियंत्रित हो गया था। गंगा, यमुना जैसी जो पवित्र नदियां कई जगहों पर गंदे नालों की भांति बहती दिखाई देती थी, उनमें जल की निर्मल धारा बहने लगी थी। जिन नदियों को साफ करने के लिए पिछले कुछ दशकों में अनेक योजनाएं और समितियां बनी तथा नदियों की स्वच्छता के नाम पर अरबों-खरबों रुपये खर्च हो गए, लॉकडाउन के दौरान वे स्वतः ही स्वच्छ और निर्मल हो गई थी। पहली बार देखा गया था कि किस प्रकार लॉकडाउन के चलते लोगों के घरों में बंद रहने और सभी प्रकार के व्यावसायिक कार्य बंद हो जाने से हवा इतनी शुद्ध हो गई थी कि सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित पर्वतों की चोटियां भी स्पष्ट दिखाई दी थी। जिन नन्ही चिड़ियों की चहचहाहट को हमारे कान तरस गए थे, ब्रह्म मुहूर्त में उनकी मधुर आवाज फिर से सुनाई देनी लगी थी। प्रकृति के उस साफ-सुथरे स्वरूप को देखकर हर कोई खुश था। दरअसल प्रकृति को स्वयं अपनी मरम्मत करने और खुद को सजाने-संवारने का सुअवसर मिला था लेकिन इंसानी गतिविधियां पुनः शुरू होते ही प्रकृति के साथ निर्मम खिलवाड़ का वही दौर पुनः शुरू हो गया, जिसका परिणाम इस समय दुनिया के तमाम देश भुगत रहे हैं। लॉकडाउन के दौर ने पूरी दुनिया को यह समझने का बेहतरीन अवसर दिया था कि इंसानी गतिविधियों के कारण ही प्रकृति का जिस बड़े पैमाने पर दोहन किया जाता रहा है।

, उसी के कारण स्वर्ग से भी सुंदर हमारी धरती कराहती रही है। प्रकृति मनुष्य को ऐसा न करने के लिए बार-बार किसी न किसी बड़ी आपदा के रूप में चेतावनियां भी देती रही है लेकिन उन चेतावनियों को सदा दरकिनार किया जाता रहा है।

प्रकृति के साथ मानवीय छेड़छाड़ का ही नतीजा रहा है कि बीते कुछ वर्षों में मौसम चक्र में बदलाव स्पष्ट दिखाई दिया है। वर्ष दर वर्ष अब जिस प्रकार मौसम के बिगड़ते मिजाज के चलते समय-समय पर तबाही देखने को मिल रही है, ऐसे में हमें अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि मौसम चक्र के बदलाव के कारण प्रकृति संतुलन पर जो विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, उसकी अनदेखी के कितने भयावह परिणाम होंगे।

प्रकृति बार-बार मौसम चक्र में बदलाव के संकेत, चेतावनी तथा संभलने का अवसर देती रही है लेकिन हम आदतन किसी बड़े खतरे के सामने आने तक ऐसे संकेतों या चेतावनियों को नजरअंदाज करते रहे हैं, जिसका नतीजा अक्सर भारी तबाही के रूप में सामने आता रहा है। पिछले तीन दशकों से पर्यावरण प्रदूषण के कारण जिस प्रकार मौसम चक्र तीव्र गति से बदल रहा है और प्राकृतिक आपदाओं का आकस्मिक सिलसिला तेज हुआ है, उसके बावजूद यदि हम नहीं संभलना चाहते तो इसमें भला प्रकृति का क्या दोष? प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय में भयानक तूफान, बाढ़, सूखा, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ वातावरण के कारण हर किसी को अपनी ओर आकर्षित किया करते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है।

कृष्ण और सुदामा की अद्वितीय मित्रता

मानव जीवन में मित्रता सबसे पवित्र और अनमोल संबंधों में से एक है। रक्त संबंधों से परे यह ऐसा बंधन है, जो विश्वास, स्नेह, त्याग, सहयोग और आत्मीयता के सूत्रों से जुड़ा होता है। मित्रता मनुष्य के जीवन को सुख-दुःख, संघर्ष और सफलता के प्रत्येक पड़ाव पर संबल प्रदान करती है। इसी अमूल्य संबंध के महत्व को रेखांकित करने के लिए प्रतिवर्ष 30 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस मनाया जाता है। भारतीय संस्कृति और पौराणिक परंपरा में मित्रता के अनेक उदाहरण मिलते हैं, किंतु भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता को संसार की सबसे आदर्श और प्रेरणादायक मित्रताओं में गिना जाता है। यह केवल दो मित्रों की कथा नहीं, बल्कि प्रेम, समानता, विनम्रता, करुणा और निःस्वार्थ भाव का ऐसा अनुपम उदाहरण है, जो युगों-युगों से मानवता को प्रेरणा देता आ रहा है।

द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा ने महर्षि सांदीपनि के आश्रम में एक साथ शिक्षा प्राप्त की थी। गुरुकुल में दोनों ने समान रूप से अध्ययन, सेवा और तपस्या की। यद्यपि श्रीकृष्ण स्वयं भगवान विष्णु के अवतार थे, फिर भी उन्होंने कभी अपने मित्र के साथ भेदभाव नहीं किया। दोनों के मध्य गहरा स्नेह और आत्मीयता थी।

एक प्रसिद्ध पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार गुरुमाता ने दोनों को वन से लकड़ियां लाने भेजा। अचानक भीषण वर्षा और तूफान आ गया। दोनों मित्र पूरी रात जंगल में भीगते रहे, किंतु एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ा। उनकी इस निष्ठा और सेवा भावना से प्रसन्न होकर गुरु सांदीपनि ने उन्हें आशीर्वाद दिया। यही मित्रता आगे चलकर आदर्श मित्रता का प्रतीक बनी।

समय बीतने के साथ श्रीकृष्ण द्वारका के राजा बने और सुदामा एक अत्यंत निर्धन ब्राह्मण के रूप में जीवन यापन करने लगे। आर्थिक अभाव इतना था कि कई बार उनके परिवार को भोजन तक उपलब्ध नहीं हो पाता था। किंतु सुदामा ने कभी अपनी निर्धनता को अपनी आत्मिक समृद्धि पर हावी नहीं होने दिया। वे सदैव भगवान श्रीकृष्ण के प्रति श्रद्धा और प्रेम में लीन रहते थे।

एक दिन उनकी पत्नी सुशीला ने आग्रह किया कि वे अपने बालसखा श्रीकृष्ण से मिलने द्वारका जाएं। प्रारंभ में सुदामा संकोच करते रहे, क्योंकि वे मित्रता को किसी स्वार्थ या याचना का माध्यम नहीं बनाना चाहते थे। अंततः पत्नी के आग्रह पर वे श्रीकृष्ण से मिलने चल पड़े। घर में भेंट स्वरूप देने के लिए कुछ नहीं था, इसलिए पड़ोसियों से प्राप्त थोड़ा सा चिवड़ा (पोहा) एक कपड़े में बांधकर साथ ले लिया।

एआई की अनियंत्रित छलांग और मानवता के सामने नई चुनौती

सुरेश सिंह बैस

तकनीक मानव जीवन को सरल, सुरक्षित और अधिक सक्षम बनाने के उद्देश्य से विकसित की जाती है। लेकिन जब यही तकनीक अपने निर्धारित दायरे से बाहर जाकर अप्रत्याशित व्यवहार करने लगे, तब वह सुविधा के साथ-साथ गंभीर चिंता का विषय भी बन जाती है। हाल ही में सामने आई घटना, जिसमें एक उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) मॉडल ने परीक्षण के दौरान स्वयं को बंद होने से बचाने के लिए कथित रूप से चोरी किए गए लॉगिन-पासवर्ड का उपयोग कर कंपनी के सर्वर तक पहुंच बना ली, पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चेतावनी है। यह घटना केवल किसी एक कंपनी की तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बढ़ती क्षमताओं और उसके नियंत्रण से जुड़े बड़े प्रश्नों को सामने लाती है। आज तक माना जाता रहा कि अकमानव द्वारा निर्धारित सीमाओं में ही कार्य करेगा, लेकिन यदि वह अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए अप्रत्याशित तरीके अपनाने लगे, तो भविष्य में इसके परिणाम कहीं अधिक गंभीर हो सकते हैं। साइबर विशेषज्ञों के अनुसार, संबंधित अक मॉडल को केवल साइबर सुरक्षा की क्षमता परखने के लिए विकसित किया गया था। उसका उद्देश्य डिजिटल कमजोरियों की पहचान करना था, ताकि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सके। किंतु परीक्षण के दौरान उसने स्वयं कार्य पूरा करने के लिए उपलब्ध सूचनाओं का ऐसा उपयोग किया, जिसकी अपेक्षा शोधकताओं ने नहीं की थी। यही कारण है कि इस घटना ने अक की निर्णय क्षमता, स्वायत्तता और जवाबदेही पर नई बहस छेड़ दी है।

हालांकि तकनीकी विशेषज्ञ यह भी स्पष्ट कर रहे हैं कि इस प्रकार की घटनाएं अनुसंधान प्रक्रिया का हिस्सा होती हैं। किसी नई तकनीक को व्यापक उपयोग में लाने से पहले उसकी कमजोरियों और संभावित जोखिमों की पहचान करना आवश्यक होता है। इंटरनेट, क्लाउड कंप्यूटिंग और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में भी प्रारंभिक दौर में ऐसी अनेक चुनौतियां सामने आई थीं, जिनसे सीख लेकर आज अधिक सुरक्षित प्रणालियां विकसित की जा सकी हैं। फिर भी यह तर्क चिंता को पूरी तरह समाप्त नहीं करता। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब केवल एक सॉफ्टवेयर नहीं रह गई है, बल्कि वह चिकित्सा, शिक्षा, रक्षा, बैंकिंग, प्रशासन, उद्योग और संचार जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में तेजी से प्रवेश कर रही है। ऐसे में यदि किसी अक प्रणाली में अनपेक्षित निर्णय लेने की क्षमता विकसित हो जाए, तो उसके प्रभाव केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा तक पहुंच सकते हैं। इसीलिए दुनिया भर के वैज्ञानिक लगातार यह मांग कर रहे हैं कि अकके विकास के साथ-साथ उसके लिए कठोर नैतिक मानक, कानूनी ढांचा और अंतरराष्ट्रीय निगरानी तंत्र भी विकसित किया जाए। केवल तकनीकी प्रगति पर्याप्त नहीं है; उसके सुरक्षित, पारदर्शी और उत्तरदायी उपयोग की व्यवस्था भी उतनी ही आवश्यक है। अक को ऐसा बनाया जाना चाहिए कि वह मानव के आदेशों, मूल्यों और सुरक्षा मानकों का हर परिस्थिति में पालन करे। भारत जैसे तेजी से डिजिटल होते देश के लिए भी यह घटना महत्वपूर्ण संदेश देती है। साइबर सुरक्षा को मजबूत करना, संवेदनशील डेटा की रक्षा करना, अक आधारित प्रणालियों का नियमित ऑडिट करना तथा इस क्षेत्र में विशेषज्ञ मानव संसाधन तैयार करना समय की आवश्यकता बन चुका है। साथ ही आम नागरिकों में भी डिजिटल जागरूकता बढ़ाना जरूरी है, ताकि वे तकनीकी जोखिमों को समझ सकें।

निस्संदेह, कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव सभ्यता की सबसे क्रांतिकारी उपलब्धियों में से एक है। यह स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पर्यावरण और वैज्ञानिक अनुसंधान में अभूतपूर्व परिवर्तन ला सकती है। किंतु यदि इसका विकास केवल गति पर केंद्रित रहेगा और सुरक्षा, नैतिकता तथा जवाबदेही की उपेक्षा होगी, तो यही तकनीक भविष्य में नई समस्याओं को जन्म दे सकती है।

तकनीक का उद्देश्य मानव पर शासन करना नहीं, बल्कि मानव जीवन को बेहतर बनाना है। इसलिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास के साथ विवेक, नियंत्रण और वैश्विक सहयोग भी उतना ही आवश्यक है। भविष्य सुरक्षित तभी होगा, जब अककी शक्ति पर मानव बुद्धि और नैतिकता का संतुलित नियंत्रण बना रहेगा।

विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष ने श्री कृष्ण जन्म भूमि मथुरा मामले में दायर वाद के वादी अधिवक्ता से की विस्तृत चर्चा

आगरा में अधिवक्ता सुरेंद्र गुप्ता के आवास पर हुई बैठक, मुकदमे की कानूनी रणनीति पर हुई चर्चा

आगरा।

विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार शनिवार को अपने अधिवक्ता साथियों के साथ आगरा में पूर्व डीजीसी (सिविल) अधिवक्ता सुरेंद्र गुप्ता के आवास पर पहुंचे और श्री कृष्ण जन्मभूमि एवं शाही ईदगाह मस्जिद मथुरा के मामले में उच्च न्यायालय इलाहाबाद में लंबित मामले पर गहन चर्चा की। उनके साथ सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता भक्तिवर्धन तथा वरुण माहेश्वरी भी साथ थे। आलोक कुमार ने सुरेन्द्र गुप्ता एडवोकेट के साथ श्रीकृष्ण जन्मभूमि, मथुरा के इलाहाबाद उच्च न्यायालय में विचाराधीन मुकदमे के संबंध में विस्तार से चर्चा की। यह भी चर्चा हुई कि न्यायालय विवाद में वर्तमान स्थिति तथा उसके शीघ्र निस्तारण हेतु किन-किन बिंदुओं पर प्रभावी कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

सुरेन्द्र गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि उच्च न्यायालय इलाहाबाद में विचाराधीन श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा से संबंधित केस के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। आलोक कुमार ने मुझसे अपेक्षा की कि उक्त केस के शीघ्र ही निस्तारण हेतु प्रयास किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि काशी विश्वनाथ मंदिर से संबंधित केस से पूर्व ही मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि के केस का निस्तारण हो सकता है।

सुरेन्द्र गुप्ता एडवोकेट द्वारा जानकारी दी गई कि मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि के संबंध में दायर किया गया वाद संख्या 17/2023 को उच्च न्यायालय इलाहाबाद ने आदेश दिनांक 18 जुलाई 2025 पारित करते हुए इस केस को ही सम्पूर्ण हिन्दू समाज की ओर से दायर किया गया माना है। कहने का आशय यह है कि उच्च न्यायालय इलाहाबाद में विचाराधीन उन्नीस वादों में से केवल इसी वाद को प्रतिनिधित्व वाद के रूप में मान्यता प्रदान की है अतएव अब यह केस सम्पूर्ण हिन्दू समाज की ओर से हो गया है। विश्व हिंदू परिषद से जो भी अपेक्षा होगी वह सलाह व सहयोग प्रदान किया जाएगा। हर हिंदू संगठन तथा हिन्दू का यह दायित्व है की वह इस केस मेंअपना भावनात्मक सहयोग व आशीर्वाद प्रदान करें।

सुरेन्द्र गुप्ता एडवोकेट ने यह भी जानकारी दी कि संबंधित प्रकरण में सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को वक्फ अधिनियम की धारा 89 के अंतर्गत नोटिस तामील किया जा चुका है, लेकिन सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड द्वारा इसका कोई भी जबाव नहीं दिया गया है अब इस वाद में सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को भी पक्षकार बनाया जाएगा।

आलोक कुमार ने सुरेंद्र गुप्ता एडवोकेट से यह अपेक्षा की कि वह स्वयं यथासंभव तारीखों पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में उक्त बाद में जाकर हिन्दू समाज की ओर से बहस करें। वाद संख्या 17/2023 के वादी सुरेंद्र गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 18 जुलाई,2025 के खिलाफ ईदगाह कमेटी मथुरा द्वारा सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली में अपील दाखिल की गई है। बैठक के दौरान आलोक कुमार ने सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता भक्तिवर्धन से कहा कि वे सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन श्रीकृष्ण जन्म स्थान के संबंध में अपील का निस्तारण वरिष्ठ अधिवक्ता योगेश्वरन जीके साथ शीघ्र ही निस्तारित कराने का प्रयास करें।

संत रविदास का जीवन समाज को एक सूत्र में पिरोने की देता है प्रेरणा : नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी

प्रयागराज।

संत शिरोमणि गुरु रविदास का पूरा जीवन समाज में समरसता, भाईचारे और समानता का संदेश देता है। उनके आदर्श आज भी समाज को एक सूत्र में पिरोने और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। यह बातें शनिवार को पावन माटी कलश यात्रा के मौके पर उतर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने कहीं।

उन्होंने कहा कि पावन माटी कलश यात्रा का उद्देश्य संत रविदास के विचारों और सामाजिक चेतना को जन-जन तक पहुंचाना है।

संत रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को प्रयागराज की शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र में पावन माटी कलश यात्रा निकाली गई। वाराणसी स्थित गुरु रविदास की जन्मस्थली से लाई गई पवित्र माटी युक्त कलश का मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी और पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकताओं और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने श्रद्धापूर्वक यात्रा में भाग लिया।

यात्रा छीतपुर से प्रारंभ होकर बैरहना, नए पुल, इन्दलपुर और सब्जी मंडी होते हुए खरकौनी स्थित कालीचौरा मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर कलश का स्वागत किया और संत रविदास के समरसता, समानता तथा मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने कहा कि संत रविदास केवल महान संत ही नहीं, बल्कि सामाजिक समानता और आत्मसम्मान के अग्रदूत थे। उनके विचार आज भी समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर एकता और राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

यात्रा में भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, महानगर उपाध्यक्ष अनिल कुमार केसरवानी, आनंद सोनकर, अभियान संयोजक दीप द्विवेदी, विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष, पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे के नए अपर महाप्रबंधक बने राजकुमार वानखेड़े, लंबे प्रशासनिक और निर्माण कार्यों का है अनुभव

36 वर्षों के अनुभव के साथ संभाली नई जिम्मेदारी, संरक्षा और अधोसंरचना विकास में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

प्रयागराज।

उत्तर मध्य रेलवे के नए अपर महाप्रबंधक राजकुमार वानखेड़े ने शनिवार को पदभार ग्रहण किया। यह जानकारी उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित मालवीय ने दी। उन्होंने कहा कि श्री वानखेड़े अनुभवी और कुशल रेलवे अधिकारी हैं। रेलवे निर्माण, संरक्षा, अधोसंरचना विकास और प्रशासन के क्षेत्र में उनका व्यापक अनुभव उत्तर मध्य रेलवे के विकास को नई गति देगा।

अमित मालवीय ने बताया कि राजकुमार वानखेड़े वर्ष 1990 बैच के भारतीय रेलवे सिविल इंजीनियरिंग सेवा (आईआरएसई) के अधिकारी हैं। उन्होंने गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, औरंगाबाद से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक तथा आईआईटी मुंबई से स्ट्रक्चर विषय में एम.टेक. की उपाधि प्राप्त की है।

उन्होंने अपने सेवाकाल में पश्चिम रेलवे के रतलाम और वडोदरा मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे के नांदेड़ मंडल, पश्चिम रेलवे, मध्य रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे के निर्माण संगठनों, राइट्स (फक्कएए) तथा नागपुर मेट्रो सहित कई महत्वपूर्ण संस्थानों में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाई हैं।

जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि वानखेड़े का संरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने रेलवे सुरंगों, गहरी कटिंग, बड़े पुलों और नई रेल लाइनों के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। साथ ही राजधानी रेल मार्ग पर गति बढ़ाने, अतिक्रमण हटाने और रेलवे परिसंपत्तियों के बेहतर प्रबंधन के लिए कई प्रभावी पहल की हैं।

उन्होंने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में नई रेल लाइन, दोहरीकरण और मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं के तहत कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का सफल नेतृत्व किया है। नागपुर मेट्रो परियोजना के प्रोजेक्ट हेड के रूप में भी उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किया।

अमित मालवीय ने कहा कि 36 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ राजकुमार वानखेड़े ने रेलवे निर्माण, मेट्रो परियोजनाओं, संरक्षा, आपदा प्रबंधन और प्रशासनिक कार्यों में अपनी दक्षता सिद्ध की है। उनके नेतृत्व में उत्तर मध्य रेलवे के विकास और यात्री सुविधाओं को और अधिक

राज्य कर विभाग ने प्लाईवुड कारोबारियों से किया संवाद, समय पर रिटर्न दाखिल करने की अपील

बरेली ।

राज्य कर विभाग ने शनिवार को प्लाईवुड और विनियर कारोबार से जुड़े व्यापारियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित कर कर अनुपालन बढ़ाने और व्यापार से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की। राज्य कर भवन, सिविल लाइंस में आयोजित बैठक की अध्यक्षता संयुक्त आयुक्त (कार्यपालक) राज्य कर संभाग-ए के.के. गुप्ता ने की। बैठक में संयुक्त आयुक्त के.के. गुप्ता ने व्यापारियों से समय पर जीएसटी रिटर्न

दाखिल करने, अधिक से अधिक कर जमा करने तथा अपंजीकृत व्यापारियों को पंजीकरण कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि शासन और राज्य कर आयुक्त के निदेशों के तहत विभिन्न प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं को समझा जा रहा है।

संवाद के दौरान व्यापारियों ने प्लाईवुड उद्योग से जुड़ी चुनौतियां भी विभाग के सामने रखीं। व्यापारियों का कहना था कि चीन से सस्ते फर्नीचर और रेडी प्लाई के आयात के कारण स्थानीय उद्योग को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है।

इससे घरेलू उत्पादकों और कारोबारियों पर आर्थिक दबाव बढ़ा है।

व्यापारी शंकर अग्रवाल ने बताया कि प्लाईवुड उद्योग के लिए कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से किसानों को मिलिया डूबिया और यूकेलिप्टस के पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इन प्रजातियों के पेड़ लगभग पांच वर्ष में तैयार हो जाते हैं, जिससे भविष्य में लकड़ी की उपलब्धता बढ़ने की उम्मीद है।

बैठक में संयुक्त आयुक्त डी.के. सिंह, उपायुक्त राजीव कुमार, पवन कुमार, आशीष कुमार पांडेय, जितेंद्र कुमार, योगेश मौर्य और डी.के. सचान सहित राज्य कर विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

चुनावी रंजिश में हुई हत्या के मामले में दोषी को आजीवन कारावास

नोएडा।

उत्तर प्रदेश के जनपद गौतमबुद्धनगर के थाना जेवर क्षेत्र में पांच साल पहले चुनावी रंजिश के चलते की गई तत्कालीन बीडीसी सदस्य के पिता की गोली मारकर हत्या के मामले में आज गौतम बुद्ध नगर की सत्र अदालत ने दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 50 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया। जुमार्ना न भरने पर एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि 14 मई 2021 को भवोकरा गांव निवासी इंद्रपाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस दौरान वह घर के बाहर अशोक और अन्य ग्रामीणों के साथ बैठे थे। इसी बीच चुनावी रंजिश को लेकर पूजा, आकाश और अनुज के बीच विवाद शुरू हो गया।

उन्होंने बताया कि कहासुनी के दौरान पूजा के उकसाने पर आकाश ने इंद्रपाल के सीने में दो गोलियां मार दीं। इंद्रपाल की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक ब्रह्माजीत भाटी ने अदालत के समक्ष पोस्टमार्टम रिपोर्ट, विवेचना के दौरान जुटाए गए साक्ष्य, गवाहों के बयान और अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किए। अभियोजन ने दलील दी कि आरोपी ने सुनियोजित तरीके से हत्या की, इसलिए उसे कठोरतम सजा दी जानी चाहिए। सुनवाई के बाद सत्र अदालत ने मुख्य आरोपी आकाश को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। रिपोर्ट के अनुसार अत्यधिक रक्तस्राव और शॉक के कारण इंद्रपाल की मृत्यु हुई थी। सभी साक्ष्यों और परिस्थितियों पर विचार करने के बाद अदालत ने आरोपी आकाश को हत्या का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास और 50 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है।

स्कूली छात्रा से छेड़छाड़ का आरोप, सिपाही हिरासत में; जांच शुरू

कानपुर।

कल्याणपुर थाने में तैनात एक सिपाही पर कक्षा सात की छात्रा से छेड़छाड़ और पीछा करने का आरोप लगा है। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने शनिवार को आरोपित सिपाही को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक कार्रवाई के तहत उसे लाइन हाजिर भी कर दिया गया है।

पीड़िता के परिजनों का आरोप है कि सिपाही पिछले करीब 14 दिनों से छात्रा का स्कूल आते-जाते समय पीछा कर रहा था। दो दिन पहले उसने छात्रा की छोटी बहन को रोककर बड़ी बहन के बारे में भी पूछताछ की थी। शनिवार दोपहर छात्रा जब घर के पास एक दुकान पर सामान लेने गई तो आरोप है कि सिपाही ने उसका हाथ पकड़ लिया। घटना के बाद छात्रा रोते हुए घर पहुंची और परिजनों को पूरी जानकारी दी।

परिजन शिकायत करने के लिए उस मकान पर पहुंचे, जहां सिपाही किराये पर रहता है।

आरोप है कि उन्हें देखकर सिपाही ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई और हंगामा शुरू हो गया। सूचना पर डायल-112 और कल्याणपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा सिपाही को हिरासत में लेकर थाने ले गई।

पुलिस के अनुसार आरोपित सिपाही वर्ष 2025 बैच का है और करीब तीन महीने पहले उसकी तैनाती कल्याणपुर थाने में हुई थी। वह पिछले दो महीने से आवास विकास-3 क्षेत्र में एक सेवानिवृत्त दरोगा के मकान में किराये पर रह रहा था।

सहायक पुलिस आयुक्त कल्याणपुर दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों को खंगाला जा रहा है।

यदि जांच में आरोपों की पुष्टि होती है तो नियमानुसार विधिक और विभागीय कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल सिपाही को अग्रिम आदेश तक लाइन हाजिर कर दिया गया है।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से मिले जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित

कानपुर।

हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा और प्रत्येक घर पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने का प्रयास होगा। यह बातें शनिवार को भाजपा कानपुर उत्तर के जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित ने लखनऊ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी से मुलाकात के बाद कहीं।

भारतीय जनता पार्टी कानपुर उत्तर के जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित ने शनिवार को लखनऊ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू से मुलाकात की।

नाबालिग के अपहरण में चार दोषियों को पांच-पांच वर्ष का कारावास

विशेष पॉक्सो कोर्ट का फैसला, सभी पर कुल 57 हजार रुपये का अर्थदंड

हमीरपुर।

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले मे करीब नौ वर्ष पुराने नाबालिग के अपहरण एवं पॉक्सो एक्ट से जुड़े मामले में शनिवार को विशेष पॉक्सो एक्ट न्यायालय ने चार अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए प्रत्येक को पांच-पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने सभी दोषियों पर कुल ५७ हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

एडीजीसी रुद्र प्रताप सिंह ने बताया कि थाना जरिया में 18 अप्रैल 2017 को ग्राम त्यौतना निवासी सुनील पुत्र भानूप्रताप, वीरेन्द्र पुत्र हरनारायण, देवेन्द्र पुत्र जगतराज तथा पवन पुत्र चन्द्रपाल के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में आरोप था कि अभियुक्तों ने वादी की 16 वर्षीय पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा लिया। घटना के दौरान पीड़िता की करीब 14 वर्षीय छोटी बहन ने विरोध किया तो अभियुक्तों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की। जनपद पुलिस ने इस मामले को ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत चिन्हित किया।

विवेचक उपनिरीक्षक रावेन्द्र कुमार ने साक्ष्य एकत्र कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। अभियोजन विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए एडीजीसी रुद्र प्रताप सिंह ने प्रभावी पैरवी की, जबकि पुलिस विभाग की ओर से हेड कांस्टेबल विद्यासागर ने पैरोकार की भूमिका निभाई। सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर न्यायालय ने अभियोजन के आरोपों को सिद्ध माना। विशेष पॉक्सो एक्ट न्यायालय, हमीरपुर ने निर्णय सुनाते हुए मुख्य अभियुक्त सुनील को धारा 363, 366, 354, 506 आईपीसी एवं पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी ठहराकर पांच वर्ष के कठोर कारावास तथा 18 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

वाराणसी : कैंट जीआरपी ने 12 जीवित कछुओं के साथ वन्यजीव तस्कर को दबोचा

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश में वाराणसी जनपद की कैंट जीआरपी ने वन्यजीव तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शिवपुर रेलवे स्टेशन पर कुंभा एक्सप्रेस से 12 जीवित कछुओं के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी छह बैगों में कछुओं को ठूंस-ठूंसकर भरकर हावड़ा ले जा रहा था। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार बरामद कछुओं की कीमत करीब 12 लाख रुपये आंकी गई है।

कैंट जीआरपी प्रभारी राजोल नागर ने बताया कि मिली सूचना के आधार पर देहरादून से हावड़ा जा रही कुंभा एक्सप्रेस की एस-1 बोगी में शनिवार को छापेमारी की गई। इस दौरान एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर

उसके पास मौजूद छह बैगों की तलाशी ली गई। तलाशी में बैगों से 12 जीवित कछुए बरामद होने पर उसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुल्तानपुर जनपद के जगदीशपुर निवासी रानू कंजड़ के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि कछुओं को गोमती नदी से पकड़ा गया था और वह उन्हें निहालगढ़ रेलवे स्टेशन से ट्रेन में सवार होकर हावड़ा ले जा रहा था, जहां उनकी आपूर्ति की जानी थी। जीआरपी आरोपी से तस्करी के पूरे नेटवर्क के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि कछुओं की खेप किन लोगों के माध्यम से तैयार की गई थी और इस गिरोह में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस तस्करी का संबंध किन राज्यों या शहरों से है।

जीआरपी प्रभारी ने बताया कि बरामद कछुओं की प्रजाति की पहचान और उनकी वास्तविक कीमत के आकलन के लिए वन विभाग से संपर्क किया गया है।

राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज के छात्र के पास बम बनाने का कथित प्रैक्टिकल मिलने से हड़कंप, हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही पुलिस

अयोध्या।

राजर्षि दशरथ राजकीय मेडिकल कॉलेज, दर्शननगर में एक्स-रे टेक्नीशियन (डिप्लोमा) के एक छात्र के पास कथित तौर पर बम बनाने से संबंधित प्रैक्टिकल/नोट्स मिलने की सूचना से शनिवार को कॉलेज परिसर में हड़कंप मच गया। कॉलेज प्रशासन की सूचना पर पुलिस ने छात्र को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी छात्र से पूछताछ कर रही हैं।

बताया जा रहा है कि छात्र मूल रूप से बलरामपुर जिले का निवासी है और उसने इसी वर्ष मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लिया था। सूचना मिलने के बाद पहले उसे दर्शननगर पुलिस चौकी और फिर कोतवाली अयोध्या ले जाया गया, जहां पर पुलिस और एजेंसियां उससे पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद मेडिकल कॉलेज प्रशासन छात्र का रिकॉर्ड, प्रवेश संबंधी दस्तावेज और परिसर के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहा है। वहीं पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच में जुटी है और आधिकारिक तौर पर कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

सीएसजेएमयू में दो दिवसीय 'सैम-2026' कार्यशाला संपन्न, नई तकनीकों पर हुआ मंथन

कानपुर।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूआईईटी) के पदार्थ विज्ञान एवं धातुकर्म अभियांत्रिकी विभाग ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स (आईआईएम) कानपुर चैप्टर के सहयोग से दो दिवसीय 'सैम-2026' कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में पदार्थ विज्ञान, धातुकर्म, ऊर्जा भंडारण, पुनर्चक्रण तकनीक और वैज्ञानिक अनुसंधान से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के डॉ. राहुल सरकार, डॉ. निलेश प्रकाश गुराव, डॉ. अरुणाभ मेश्रराम, डॉ. शोबित ओमर, डॉ. नीरज मोहन चावके और प्रो. कांतेश बलानी ने हरित इस्पात, सूक्ष्म संरचना, पदार्थ पुनर्चक्रण, लिथियम-आयन बैटरियां, भविष्य की ऊर्जा भंडारण तकनीक, क्रिस्टल विज्ञान, टंगस्टन आधारित पदार्थों तथा वैज्ञानिक शोध लेखन एवं प्रकाशन नैतिकता जैसे विषयों पर व्याख्यान दिए।

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से संवाद किया और शोध व नवाचार से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इसमें पदार्थ विज्ञान एवं धातुकर्म अभियांत्रिकी विभाग, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग तथा मूलभूत विज्ञान संकाय के विद्यार्थी एवं विश्वविद्यालय के शिक्षक शामिल हुए। कार्यशाला का आयोजन डॉ. अलका गुप्ता के नेतृत्व में तथा विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) वी.के. कश्यप के सहयोग से किया गया। आयोजन समिति के प्रयासों से कार्यक्रम का सफल संचालन हुआ। विश्वविद्यालय के अनुसार, इस कार्यशाला ने छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स (आईआईएम) कानपुर चैप्टर और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के बीच शैक्षणिक सहयोग को और मजबूत किया तथा विद्यार्थियों को आधुनिक अनुसंधान और उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़ने का अवसर प्रदान किया।

1991 के सुधारों से बदला भारत का ऑटो सेक्टर- मुट्ठी भर कंपनियों से वैश्विक हब तक

मुंबई ।

भारत का वाहन उद्योग कभी चंद कंपनियों के दबदबे वाला बाजार था, जहाँ बाहरी खिलाड़ियों को प्रवेश की अनुमति नहीं थी। मगर 1991 के ऐतिहासिक आर्थिक सुधारों ने बंद पड़े बाजार को वैश्विक वाहन निर्माण के सबसे बड़े केंद्रों में से एक बना दिया। दशकों से अनेक बाधाओं से जूझ रहे इस क्षेत्र में उदारीकरण के साथ ही विदेशी निवेश, विश्वस्तरीय प्रौद्योगिकी और तीव्र प्रतिस्पर्धा का दौर शुरू हुआ। बाजार के खुलने से घरेलू कंपनियों पर अपने उत्पादों को उन्नत बनाने का दबाव बढ़ा, जिसके परिणामस्वरूप एक मजबूत कलपुर्जा उद्योग विकसित हुआ और ग्राहकों को ढेरों विकल्प मिले। आज, उदारीकरण के 35 साल बाद, वाहन क्षेत्र इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि आर्थिक सुधारों ने भारतीय विनिर्माण की तस्वीर कैसे बदल दी।यद्यपि भारत की व्यापक अर्थव्यवस्था 1991 में खोली गई, वाहन उद्योग को लाइसेंस व्यवस्था से वास्तविक मुक्ति 1993 में मिली। विदेशी निवेश पर लगे प्रतिबंधों को कम किया गया ताकि वैश्विक कार निर्माता आसानी से प्रवेश कर सकें। हालांकि, इसका असर तुरंत नहीं दिखा। जानकार बताते हैं कि नई नीतियां लागू होने पर उनका प्रभाव तुरंत सामने नहीं आता।

वैश्विक कंपनियों को बाजार को समझने, सरकारों से संवाद स्थापित करने, कारखाने लगाने और आपूर्तिकर्ताओं का नेटवर्क तैयार करने में समय लगता है। इसीलिए वाहन उद्योग पर उदारीकरण का असली प्रभाव 6-7 साल बाद ही नजर आया। 1990 के दशक के अंत तक, फोर्ड, होंडा, जनरल मोटर्स, हुंडई, टोयोटा और दाएवू जैसी कई नामी-गिरामी कार कंपनियों ने भारतीय बाजार में कदम रखा। ये कंपनियां उस समय दुनिया के अंतिम बड़े और अछूते वाहन बाजार में मौजूद विशाल संभावनाओं से आकर्षित होकर भारत आईं थीं।

अमेरिका-ईरान जंग के बीच घटे एलपीजी गैस के दाम, क्या पेट्रोल-डीजल के दाम भी होंगे कम?

नई दिल्ली,।

ईरान संकट के बीच देशवासियों को महीने के पहले दिन ही महंगाई से बड़ी राहत मिली। दिल्ली से लेकर पटना-कोलकाता तक एलपीजी गैस के दाम में बड़ी गिरावट हुई। 1 अगस्त को 19 किलो वाले करमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 200 रुपए से ज्यादा की कटौती हुई है। यह नई कीमतें आज से लागू हो गई हैं। हालांकि, घरेलू रसोई में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम घटने का सीधा असर कारोबारियों पर पड़ता है। इससे छोटे व्यापारियों और होटल उद्योग को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, आम लोगों के लिए फिलहाल डायरेक्ट कोई राहत नहीं है।

कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में कमी से एक संकेत की आहट सुनाई दे रही है। वह यह कि क्या घरेलू एलपीजी सिलेंडर के भी दाम घटेंगे? क्या कमर्शियल एलपीजी गैस के दाम में कमी के बाद अब पेट्रोल-डीजल की बारी है? जिस तरह से कमर्शियल गैस की कीमतों में कमी हुई है, उससे यह उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले दिनो में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हो सकते हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि ग्लोबल मार्केट में क्रूड ऑयल के दाम कम हुए हैं। बहरहाल, यहां स्पष्ट करना जरूरी है कि तेल कंपनियों या सरकार की ओर से पेट्रोल-डीजल के दाम घटाने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

बता दें पेट्रोल और डीजल की कीमतें कई कारकों पर निर्भर करती हैं। इनमें ग्लोबल बाजार में कच्चे तेल की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति और टैक्स समेत अन्य खर्च शामिल हैं। इसलिए कमर्शियल एलपीजी की कीमत घटने का मतलब यह नहीं है कि पेट्रोल और डीजल के दाम भी तुरंत कम हो जाएंगे। सरकार ग्लोबल मार्केट के पैटर्न को पहले समझेगी। कच्चे तेल की कीमतों का हिसाब लगाएगी, तब जाकर सस्ता-महंगा का हिसाब हो पाएगा।

केंद्र ने राज्यों को जारी किए 1.09 लाख करोड़ रुपए, पूंजीगत खर्च और विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली,

आयकर विभाग ने शनिवार को बताया कि आकलन वर्ष (एवाई) 2026-27 के लिए 31 जुलाई की अंतिम तिथि तक 5.9 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए गए। विभाग ने समय पर रिटर्न दाखिल करने वाले सभी करदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए इसे देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आयकर विभाग ने कहा, ÷धन्यवाद, करदाताओं! एवाई 2026-27 के लिए 31 जुलाई तक 5.9 करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल किए गए। आपका विश्वास और समय पर कर अनुपालन भारत की विकास यात्रा को गति देता है।

अगस्त माह में 14 दिन रहेंगे बैंक बंद, कुछ राज्यों में खास दिन भी रहेगी छुट्टी

नई दिल्ली।

इस महीने बैंक करीब आधा महीना बंद रहेंगे. ऐसा न हो कि आप बैंक ब्रांच चले जाएं और उस दिन बैंक की छुट्टी हो और आपको बैरंग वापस लौटना पड़े। भारतीय रिजर्व बैंक के छुट्टी के कैलेंडर के मुताबिक साप्ताहिक अवकाश और कुछ प्रमुख त्योहारों और दिवसों के चलते बैंक इस महीने 14 दिन बंद रहेंगे। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पीएनबी और केनरा बैंक जैसे सरकारी बैंकों से लेकर एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई और एक्सिस बैंक जैसे प्राइवेट बैंक भी बंद रहेंगे। सभी राज्यों में 14 दिन बैंक बंद नहीं रहेंगे। कुछ छुट्टियां क्षेत्रीय स्तर की होने से कुछ खास दिन किसी एक राज्य में तो अवकाश हो सकता है लेकिन दूसरे राज्य में बैंक खुले रहेंगे।

2 अगस्त (रविवार) साप्ताहिक छुट्टी की वजह से पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे। 4 अगस्त केर पूजा पर केवल अगरतला में बैंक बंद रहेंगे। 8 अगस्त शनिवार को महीने के दूसरे शनिवार की वजह से देशभर में बैंक अवकाश रहेंगे। 9 अगस्त रविवार पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। 13 अगस्त पैट्रियट्स डे की वजह से इंफाल में बैंक बंद रहेंगे। 15 अगस्त शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बैंकों की छुट्टी रहेगी। 16 अगस्त रविवार को पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। 19 अगस्त को महाराजा बीर बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुर जयंती की

वजह से अगरतला में बैंक बंद रहेंगे। 22 अगस्त शनिवार महीने का चौथे शनिवार की साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। 23 अगस्त रविवार को पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। 25 अगस्त को मिलाद-उन-नबी/पहला ओणम (कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे। 26 अगस्त को ईद-ए-मिलाद/तिरुवोनम की वजह से दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, भोपाल, बेंगलुरु समेत कई बड़े शहरों में बैंक बंद रहेंगे।

28 अगस्त को रक्षाबंधन/श्री नारायण गुरु जयंती की वजह से बैंक में अवकाश रहेगा 30 अगस्त रविवार को पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी।

माह के पहले दिन सरकार का तोहफा, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के घटाए दाम

14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली,।

अगस्त शुरु होते ही खुशखबरी आई। सरकार ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का रेट घटा दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की दिल्ली में कीमत 202 रुपए की कटौती की गई है। कोलकाता में रेट 209 रुपए घटाया गया है। 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है।कमर्शियल सिलेंडर का रेट घटने से रेस्टोरेंट, होटल और चाय का ठेला लगाने वाले ऐसे लोगों को फायदा होगा। 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर अब दिल्ली में अब 2,728 रुपए में मिलेगा। पहले इसका रेट 2,930 था। पटना में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का रेट 209 रुपए कम होकर अब 3,018 रह गया है। पहले यह 3,227 का था। लखनऊ में 2,860.50 रुपए का मिलेगा। इस बार घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और उपभोक्ताओं को पहले की ही दरों पर सिलेंडर मिलेगा।

सीबीआई का अनिल अंबानी की रिलायंस कैपिटल पर बड़ा एक्शन, ईपीएफओ के 1,816 करोड़ रुपए के निवेश घोटाले में दर्ज किया एफआईआर

नई दिल्ली,

1 अगस्त (आईएएनएस)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिलायंस कैपिटल लिमिटेड, उसके पूर्व चेयरमैन अनिल अंबानी, अज्ञात सरकारी अधिकारियों और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ 1,816.22 करोड़ रुपए के कथित ईपीएफओ निवेश घोटाले में एफआईआर दर्ज की है। एजेंसी का आरोप है कि आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और भ्रष्टाचार से जुड़े अपराधों के जरिए 1,007.55 करोड़ रुपए का गलत नुकसान पहुंचाया गया, जबकि इस पर 808.67 करोड़ रुपए की ब्याज देनदारी भी जुड़ गई। सीबीआई के अनुसार, यह एफआईआर श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के तहत आने वाले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 2013 और 2014 के दौरान रिलायंस कैपिटल लिमिटेड ने सिक्योर्ड नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) जारी किए थे, जिनमें ईपीएफओ ने चार पोर्टफोलियो मैनेजरों, जिनमें रिलायंस कैपिटल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड भी शामिल थी, के माध्यम से 2,500 करोड़ रुपए का निवेश किया था। इन एनसीडी की परिपक्वता (मेच्योरिटी) 2023 और 2024 में होनी थी। हालांकि, शिकायत के अनुसार आरोपियों ने कथित तौर पर फर्जी लेनदेन किए और निवेश की गई राशि का दुरुपयोग तथा दूसरी जगह डायवर्ट किया। इसके कारण रिलायंस कैपिटल एनसीडी का भुगतान (रिडेम्शन) नहीं कर सकी, जिससे ईपीएफओ को कुल 1,816.22 करोड़ रुपए का कथित नुकसान हुआ।

आरबीआई की स्वैप योजना से बैंकों ने जुटाए रिकॉर्ड 41 अरब डॉलर

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नई रियायती स्वैप सुविधा को बैंकों और निवेशकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है, जिसके तहत 31 जुलाई तक देश के बैंकों ने करीब 41 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा जुटाई है। यह रकम मुख्य रूप से एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट से आई है, जिससे 36.7 अरब डॉलर जुटाए गए। इसके अलावा, ओवरसीज फॉरेन करंसी बॉरोइंग (ओएफसीबीएस) के जरिए 2.57 अरब डॉलर और एक्सटर्नल कमर्शियल बॉरोइंग (ईसीबीएस) के माध्यम से 1.5 अरब डॉलर का फंड मिला। खास बात यह है कि योजना शुरू होने के दो महीने से भी कम समय में 2013 के 34 अरब डॉलर के एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट रिकॉर्ड को तोड़ चुकी है। आरबीआई को इस स्कीम में उम्मीद से कहीं बेहतर रिस्पॉन्स मिला है, खासकर जुलाई के दूसरे पखवाड़े में फंड जुटाने की रफ्तार में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। जहां 17 जुलाई तक इस स्कीम के तहत सिर्फ 20.72 अरब डॉलर ही जुटाए गए थे, वहीं महज कुछ दिनों में यह आंकड़ा 41 अरब डॉलर तक पहुंच गया। बाजार के जानकार और एसबीआई रिसर्च ने भी अपने अनुमान बढ़ा दिए हैं; अब कुल विदेशी मुद्रा प्रवाह 80 से 85 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें एफसीएनआर से 65 से 70 अरब डॉलर आने का अनुमान है।

इस फंड जुटाने में सरकारी बैंकों ने, खासकर अपने मजबूत नेटवर्क का फायदा उठाते हुए, बड़ी भूमिका निभाई है, वहीं एचएसबीसी जैसे बड़े विदेशी बैंकों ने भी अहम योगदान दिया। अगस्त और सितंबर में मैच्योर होने वाले पुराने एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट के नवीनीकरण से लगभग 10 अरब डॉलर की अतिरिक्त विदेशी मुद्रा आने की भी संभावना है।

झयह रियायती स्वैप सुविधा रुपये पर बढ़ते दबाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव और डॉलर की बढ़ती मांग के बीच भारतीय रुपये को सहारा देने और देश के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने की आरबीआई की रणनीति का हिस्सा है। इस स्कीम के तहत, आरबीआई बैंकों को डॉलर-रुपया स्वैप की सुविधा दे रहा है, जिससे उनके लिए विदेशों से डॉलर में फंड जुटाना पहले के मुकाबले काफी सस्ता हो गया है।

जुलाई में जीएसटी कलेक्शन ने बनाया नया रिकॉर्ड, 2.11 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली ।

देश की अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार के लिए जुलाई का महीना बेहद उत्साहजनक खबर लेकर आया है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कलेक्शन ने इस महीने एक नई ऊंचाई छूते हुए 2.11 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में सकल जीएसटी कलेक्शन सालाना आधार पर 15.4 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी के साथ 2.11 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया। रिफंड के बाद शुद्ध जीएसटी कलेक्शन भी 15.8 फीसदी बढ़कर 1.81 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल जुलाई के 1.83 लाख करोड़ रुपये (सकल) और 1.57 लाख करोड़ रुपये (शुद्ध) के मुकाबले काफी अधिक है, जो आर्थिक गतिविधियों में मजबूत वृद्धि का संकेत देता है।जुलाई के जीएसटी आंकड़े मुख्य रूप से जून महीने की आर्थिक लेन-देन और कारोबारी गतिविधियों को दर्शाते हैं। अगर जून के 1.95 लाख करोड़ रुपये के सकल कलेक्शन से तुलना करने पर जुलाई में यह आंकड़ा 8.4 फीसदी की तेज रफ्तार से बढ़ा है। इसी तरह, शुद्ध जीएसटी कलेक्शन भी जून के 1.62 लाख करोड़ रुपये से 11.6 फीसदी बढ़कर 1.81 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो लगातार बढ़ती आर्थिक गति का प्रमाण है।इस उछाल में सबसे बड़ा योगदान विदेश से होने वाले आयात पर लगने वाले टैक्स का रहा। आयात पर लगने वाला सकल जीएसटी सालाना आधार पर 28.8 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि के साथ 66,511 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। वहीं, घरेलू कारोबार से मिलने वाला सकल जीएसटी कलेक्शन भी 10.1 फीसदी बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कुल जीएसटी रिफंड 13.1 फीसदी बढ़कर 29,968 करोड़ रुपये हो गया। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले चार महीनों (अप्रैल से जुलाई) में सकल जीएसटी कलेक्शन 10.1 फीसदी बढ़कर 8.43 लाख करोड़ रुपये और शुद्ध कलेक्शन 9.2 फीसदी बढ़कर 7.21 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया है।टैक्स और अर्थव्यवस्था के जानकारों का मानना है कि घरेलू मांग में लगातार मजबूती, बढ़ते आयात और टैक्स नियमों के बेहतर पालन की वजह से जुलाई में जीएसटी कलेक्शन के इतने शानदार आंकड़े सामने आए हैं। जानकार के अनुसार, जीएसटी कलेक्शन में लगातार दोहरे अंकों की वृद्धि साबित करती है कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

आरबीआई एफडी ब्याज दरों के नियमों में कर रहा बदलाव, 1 अक्टूबर से होंगे लागू

इसका मकसद बल्क डिपॉजिट पर ट्रांसपरेंसी बढ़ाना और समान प्रोसेस तय करना

नई दिल्ली,। फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दर तय करने के नियमों को बदलने की तैयारी में है। इनका मकसद बल्क डिपॉजिट पर ट्रांसपरेंसी बढ़ाना और सभी ग्राहकों के साथ समान प्रोसेस तय करना है। ये नियम सिर्फ कमर्शियल बैंकों पर ही नहीं, बल्कि स्मॉल फाइनेंस बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, पेमेंट बैंक, लोकल एरिया बैंक और अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक पर भी लागू होंगे। नए नियम 1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगे यानी पूरे बैंकिंग सिस्टम में बड़े जमा पर ब्याज देने का तरीका अब पहले से ज्यादा बेहतर होगा।फिक्स्ड डिपॉजिट जिसमें एक बार में 3 करोड़ रुपए या उससे ज्यादा जमा किए जाते हैं। ऐसे निवेश आमतौर पर कंपनियां, बड़े कारोबारी, ट्रस्ट और हाई नेटवर्थ वाले लोग करते हैं। अब तक बैंक इन ग्राहकों से अलग-अलग बातचीत करके ब्याज दर तय कर लेते थे। कई बार एक ही रकम जमा करने वाले दो ग्राहकों को अलग-अलग ब्याज मिल जाता था। अब ऐसा नहीं होगा। नए नियम के मुताबिक हर बैंक को हर कामकाजी दिन सुबह 10 बजे तक अपनी वेबसाइट पर बल्क डिपॉजिट की ब्याज दरें जारी करनी होंगी। अगर किसी वजह से देरी होती है, तो अधिकतम 10÷10 बजे तक यह जानकारी देनी होगी। इसके बाद बैंक उसी दिन उसी रकम के बल्क डिपॉजिट पर सभी ग्राहकों को एक जैसी ब्याज दर देंगे। चाहे ग्राहक पुराना हो या नया, किसी भी शाखा में जाए, ब्याज दर समान रहेगी। बैंक वेबसाइट पर दिखाई गई दर से अलग ऑफर नहीं दे सकेंगे। इससे निजी सौदेबाजी और छिपी हुई डील पर रोक लगेगी।

फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस सेगमेंट की ट्रेडिंग अवधि 10 मिनट बढ़ाकर 3÷40 बजे तक की

अब निवेशकों को क्लोजिंग के अलग-अलग शेड्यूल का पालन करना होगा

नई दिल्ली,।

3 अगस्त 2026 से सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) योग्य फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) स्टॉक्स के लिए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) शुरू करेंगे, जिससे क्लोजिंग प्राइस तय करने का तरीका बदल जाएगा। इसके साथ ही फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस सेगमेंट की ट्रेडिंग अवधि 10 मिनट बढ़ाकर शाम 3÷40 बजे तक कर दी जाएगी। इस फैसले से ट्रेडर्स को अपने खुले सौदों की हेजिंग, इंट्राडे पोजिशन बंद करने, एक्सपायरी डे की अस्थिरता संभालने का मौका मिल जाएगा। इसके अलावा, क्लोजिंग ऑक्शन के बाद अपनी रणनीति में बदलाव करने का अतिरिक्त समय भी मिलेगा।

इस नई व्यवस्था के तहत अब सभी शेयरों का बाजार एक ही समय पर बंद नहीं होगा। अगर आप गैर-एफएंडओ शेयरों में ट्रेडिंग करते हैं तो पहले की तरह ही टाइमिंग है यानी ट्रेडिंग 3÷30 बजे तक चलेगी। इसमें किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है। वहीं, फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस शेयरों में नियमित ट्रेडिंग 3÷15 बजे तक होगी, जिसके बाद 3÷35 बजे तक क्लोजिंग ऑक्शन सेशन चलेगा। दूसरी ओर स्टॉक और इंडेक्स एफएंडओ की ट्रेडिंग 3÷40 बजे तक जारी रहेगी। इसके बाद 3÷50 से 4÷00 बजे तक पोस्ट-क्लोज सेशन होगा।

पेनी स्टॉक निवेशकों को इस बार देगी सात बोनस शेयर, रिकॉर्ड डेट का फैसला नहीं

2023 में कंपनी ने 50 शेयर पर 9 शेयर बोनस के तौर पर दिया था

नई दिल्ली,।

पेनी स्टॉक जोनजुआ ओवरसीज लिमिटेड ने निवेशकों को बोनस शेयर देने का फैसला किया है। सात महीने में कंपनी दूसरी बार बोनस शेयर दे रही है। इस बार कंपनी की तरफ से सात शेयर बोनस के तौर पर मिलेंगे। बता दें इस पेनी स्टॉक का दाम शुक्रवार को मार्केट क्लोजिंग के समय पांच रुपये से भी कम था। स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में पेनी स्टॉक ने बताया कि 10 रुपए के फेस वैल्यू वाले 24 शेयर पर सात शेयर बोनस के तौर पर निवेशकों को मिलेगा। इस बोनस इश्यू के लिए जोनजुआ ओवरसीज लिमिटेड ने अभी रिकॉर्ड डेट का फैसला नहीं किया है।आखिरी बार कंपनी के शेयर 2026 में एक्स-बोनस ट्रेड किए थे। तब योग्य निवेशकों को 40 शेयर पर पांच शेयर बोनस के तौर पर मिला था। 2023 में कंपनी ने 50 शेयर पर 9 शेयर बोनस के तौर पर दिया था। 2022 में कंपनी की तरफ से 23 शेयर पर 4 शेयर बोनस मिला था। 2021 में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 37 शेयर पर पांच शेयर बोनस दिया था। बता दें पेनी स्टॉक की तरफ से पहली बार निवेशकों को 2019 में बोनस शेयर दिया गया था। तब कंपनी ने 25 शेयर पर 1 शेयर बोनस दिया था। कंपनी ने 2025 में निवेशकों को डिविडेंड दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 0.10 रुपए का डिविडेंड दिया था।रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को कंपनी के शेयर 1.57 फीसदी की गिरावट के बाद 3.75 रुपए के स्तर पर बंद हुआ था। बीते दो हफ्ते कंपनी के शेयरों की कीमतों में 18 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। एक साल में इस स्टॉक का दाम 55 फीसदी गिरा है।

देश के सात प्रमुख शहरों में अपार्टमेंट बिक्री तीन फीसदी बढ़कर 1,38,382 यूनिट हुई

बैंगलुरु ने मुंबई-दिल्ली को पीछे छोड़ा, वहां सबसे ज्यादा 35,017 अपार्टमेंट बिके

नई दिल्ली,।

देश में अपार्टमेंट और फ्लैट की बिक्री में बूम आ रहा है। खासकर शहरी इलाकों में अपार्टमेंट ही खरीदी लोगों की पहली पसंद बन गई हैं। हालिया रिपोर्ट के मुताबिक देश के सात प्रमुख शहरों में साल 2026 की पहली छमाही में अपार्टमेंट बिक्री सालाना आधार पर तीन फीसदी बढ़कर 1,38,382 यूनिट पहुंच गई। बैंगलुरु में सबसे ज्यादा 35,017 अपार्टमेंट की बिक्री हुई।

अभी तक दिल्ली-एनसीआर और मुंबई के दबदबे को बैंगलुरु ने चुनौती दी है।

आंकड़ों के मुताबिक देश के आवासीय बाजार ने इस साल की पहली छमाही में मजबूती दिखाई। सात प्रमुख शहरों में आवासों की बिक्री सालाना आधार पर 3 फीसदी बढ़कर 1,38,382 यूनिट रही। इन सात शहरों में मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद और कोलकाता शामिल हैं। मुंबई में मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, ठाणे शहर और नवी मुंबई शामिल हैं, जबकि दिल्ली-एनसीआर में दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और सोहना शामिल हैं।

आंकड़ों में केवल अपार्टमेंट को शामिल किया गया है। रॉ-हाउस, विला और भूखंड आधारित परियोजनाओं को इसमें शामिल नहीं किया है।

जनवरी-जून की अवधि में बैंगलुरु में अपार्टमेंट की बिक्री सालाना आधार पर 16 फीसदी से बढ़कर 35,017 यूनिट पहुंच गई, जो व्यापक चुनौतियों के बावजूद बाजार की मजबूती को दर्शाता है। इस दौरान नए फ्लैट की सप्लाई भी 41 फीसदी बढ़कर 48,748 यूनिट हो गई। आवासीय सेवाओं के प्रमुख ने कहा कि लगातार शहरीकरण, बुनियादी ढांचा विकास और बढ़ती डिमांड के कारण हाउसिंग सेग्मेंट के बुनियादी कारक मजबूत बने हुए हैं और यही मकान खरीदने के फैसलों को बढ़ावा दे रहे हैं। ग्राहकों को अपार्टमेंट में ज्यादा बेहतर सुविधाएं मिलती हैं जिसकी वजह से उन्हें जमीन और विला वाले प्रोजेक्ट के मुकाबले इस तरह की हाउसिंग की डिमांड ज्यादा रहने लगी है।

त्योहारों से पहले लोगों को लगेगा झटका! टूथपेस्ट, सर्फ, पेंट सब हो जाएंगे महंगे

कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कंपनियां दूसरी तिमाही में दाम बढ़ाने की कर रहीं तैयारियां

नई दिल्ली,।

मानसून विदा होते ही भारतीय त्योहारों की तैयारियां शुरू हो जाएंगी। घर के रंग-रोगन कराने से लेकर रसोई में नए साज-सामान लाने की योजना बनने लगेगी, लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव आने वाले त्योहारी सीजन में आम उपभोक्ता के जेब पर भारी पड़ सकता है। इसका कारण है कि टूथपेस्ट, कपड़े धोने के सर्फ और घर की दीवारों पर लगने वाले पेंट से लेकर टायरों तक के दाम बढ़ाने की कंपनियां तैयारी कर रही हैं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फेस्टिव सीजन से पहले एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कंपनियां लगातार दूसरी तिमाही में दाम बढ़ाने की सोच रही हैं।

एक रिपोर्ट में अनुसान लगाया है कि हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, हैवेल्स और डोडला डेयरी समेत कम से कम 8 बड़ी कंपनियां अपने प्रोडक्ट्स की कीमत बढ़ाएंगी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध की वजह से कच्चे माल और कमोडिटी की लागत बढ़ गई है। इससे कंपनियों के खर्च में इजाफा हुआ है। बढ़े हुई कीमत का भार कंपनियां आम आदमी पर डालेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड ने संकेत दिया है कि अगले कुछ महीनों में डिटर्जेंट और बर्तन धोने वाले बार जैसे उत्पादों की कीमतों में सीमित बढ़ोतरी की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

टेस्ट सीरीज से पहले भारत के लिए खुशखबरी

फिट हुआ टीम इंडिया का धाकड़ खिलाड़ी बुमराह

नई दिल्ली। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इसके लिए टीम इंडिया के स्क्वाड का भी ऐलान हो चुका है। साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह का टीम में चयन सब्जेक्ट टू फिटनेस के आधार पर हुआ था। अब इनमें से एक खिलाड़ी पूरी तरह फिट हो गया है और टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया को खुशखबरी मिली है। जानकारी के मुताबिक भारत के स्टार तेज

गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। पीटीआई की जानकारी के मुताबिक तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सभी फिटनेस टेस्ट पास कर लिए हैं। अब उन्हें बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ने अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में खेलने की अनुमति दे दी है। बुमराह को उनकी फिटनेस के आधार पर भारतीय टीम में शामिल किया गया था। वह हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के दौरान चोटिल हो गए थे। चोट के कारण उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे से बाहर बैठना पड़ा था। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, 'जसप्रीत बुमराह चोट से उबर चुके हैं। उन्होंने फिटनेस से जुड़े सभी टेस्ट पास कर लिए हैं। उम्मीद है कि वह श्रीलंका के खिलाफ दोनों मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे क्योंकि वह टीम रणनीति का अभिन्न अंग हैं।'

हर्षित, नितीश, सुंदर सीरीज से बाहर- भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगा जबकि दूसरा मैच 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। भारत को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने की दौड़ में बने रहने के लिए वर्तमान चक्र के शेष नौ टेस्ट मैचों में से सात मैच में जीत दर्ज करनी होगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली श्रृंखला से पहले भारत के लिए श्रीलंका में श्रृंखला को 2-0 के अंतर से जीतना बहुत महत्वपूर्ण है।

इंडिया रॉयल्स का जीत से आगाज

बांग्लादेश को 19 रन से हराया; अंकतालिका में पाकिस्तान आखिरी पायदान पर

नई दिल्ली। जाम्बिया में खेली जा रही एशियन लीजेंड्स लीग 2026 के अपने पहले मुकाबले में इंडिया रॉयल्स की टीम ने बांग्लादेश टाइगर्स को मात दी है। इस मुकाबले में भारत के लिए नमन ओझा ने कप्तानी की। शिखर धवन, सुरेश रैना, अंबाती रायडू, हरभजन सिंह जैसे दिग्गज खिलाड़ी इस मुकाबले में नहीं उतरे थे। अब रविवार को भारत का अगला मैच पाकिस्तान पैंथर्स की टीम से होगा। उस मुकाबले में कांटे की भिड़ंत हो सकती है। इस मैच की बात करें तो भारतीय टीम के कप्तान नमन ओझा ने टॉस जीतकर

पहले बल्लेबाजी चुनी थी। वह कुछ खास नहीं कर पाए थे और पारी की शुरुआत करते हुए 8 गेंद पर सिर्फ 1 रन बना सके। उनके बाद अभिषेक जलोटा 26 और असद पठान ने 22 रन की पारी खेली। अंत में सरुल कनवर ने नाबाद रहते हुए 40 रन की पारी खेली। भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 135 रन बनाए। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। भारत के लिए शादाब जकाती सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच बने। उनके अलावा अनुरीत सिंह ने किफायती गेंदबाजी के साथ-साथ दो विकेट भी झटके। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 12 रन ही दिए। अभिषेक जलोटा भी किफायती रहे। अभिषेक ने 3 ओवर में 11 रन देकर 1 विकेट झटका।

भारत-पाकिस्तान का महामुकाबला, धवन, रैना, पठान समेत कई दिग्गज होंगे एक्शन में- इसी के साथ भारत ने बांग्लादेश को 136 रन के लक्ष्य तक नहीं पहुंचने दिया। भारत के लक्ष्य के सामने बांग्लादेश टाइगर्स की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 116 रन ही बना सकी।

डेकाथलन में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने

तेजस्विन को घुटने में दिक्कत

जब तेजस्विन ने डेकाथलन की शुरुआत 100 मीटर इवेंट में 10.96 सेकेंड के साथ की तो ऐसा लगा कि घुटने में दिक्कत हो रही है, लेकिन लॉन्ग जंप के दूसरे इवेंट तक उन्होंने साबित कर दिया कि वे कहीं नहीं जा रहे हैं। तेजस्विन ने लॉन्ग जंप में 7.82 मीटकर का रिकॉर्ड बनाकर अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन है। इससे पहले उनका पर्सनल बेस्ट 7.67 मीटर था।

तेजस्विन शंकर ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस्विन शंकर ने घुटने की चोट के बाद शानदार वापसी करते हुए इतिहास रच दिया। वह राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य जीतकर डेकाथलन स्पर्धा में पदक हासिल करने वाले पहले भारतीय बन गए। तेजस्विन ने दस खेलों की इस स्पर्धा में 7976 अंक बनाये। उनका नेशनल रिकॉर्ड 8057 पॉइंट्स का है। लंबे समय से चली आ रही घुटने की समस्या के कारण तेजस्विन ने ग्लास्गो खेलों की ऊंची कूद स्पर्धा से नाम वापिस ले लिया था। उन्होंने बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में ऊंची कूद में कांस्य जीता था। इसके साथ ही वह दो राष्ट्रमंडल खेलों में अलग अलग स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले भी पहले भारतीय बन गए।

शॉट पुट में औसत प्रदर्शन- शॉट पुट में तेजस्विन ने फिर से औसत प्रदर्शन किया और अपनी तीन कोशिशों में 13.09मीटर का बेस्ट थ्रो करके इवेंट को सातवें स्थान पर खत्म किया। फिर हाई जंप की बारी आई, जो शंकर का मजबूत पक्ष है। 2.29 मीटर के पर्सनल बेस्ट के साथ उन्हें अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन घुटने की दिक्कत की वजह से उन्होंने 2.15 मीटर का बेस्ट जंप रिकॉर्ड किया और कुल 944 पॉइंट्स कमाए।

आठ इवेंट के बाद चौथे पर थे तेजस्विन- दिन के आखिरी इवेंट 400मीटर में तेजस्विन अपने पर्सनल बेस्ट 48.29 सेकेंड से काफी पीछे थे, लेकिन उन्होंने 49.51 सेकेंड का समय निकाला। पोल वॉल्ट में तेजस्विन ने 4.30 मीटर बहुत आसानी से पार कर लिया। आठ इवेंट के बाद, तेजस्विन 6637 पॉइंट्स के साथ चौथे नंबर पर रहे, जबकि सैमी बॉल 6650 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर थे।

जेवलिन थ्रो के बाद तीसरे पर पहुंचे तेजस्विन- विक्टर ने जेवलिन थ्रो में 63.06 मीटर के बड़े थ्रो के साथ अपना गोल्ड मेडल पक्का किया और दूसरे नंबर पर रहे वार्नर से बड़ी बढ़त बना ली, जबकि तेजस्विन ने 53.12मीटर का सीजन बेस्ट थ्रो फेंका और 7272 पॉइंट्स के साथ मेडल की पोजीशन पर वापस आ गए।

तेजस्विन ने भालाफेंक के बाद तीसरा स्थान हासिल कर लिया था

हांगझोउ एशियाई खेल 2023 के रजत पदक विजेता 27 वर्ष के तेजस्विन कनाडा के डेमियन वार्नर से पिछड़ गए जिन्होंने 8036 अंक लेकर रजत पदक जीता। पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ग्रेनाडा के लिंडन विक्टर ने 8096 अंक लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। तेजस्विन ने 9वीं स्पर्धा भालाफेंक के बाद तीसरा स्थान हासिल कर लिया था। 1500 मीटर में पांचवें स्थान पर रहने के बाद उसे बरकरार रखा।

नीरज चोपड़ा को रजत से करना पड़ा संतोष

- यशवीर ने 4 एथलीटों को पछाड़ ब्रॉन्ज झटका

नई दिल्ली। भारतीय भालाफेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा कठिन हालात में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यशवीर सिंह ने राष्ट्रमंडल खेलों में शुक्रवार (31 जुलाई) को आखिरी प्रयास में सर्वश्रेष्ठ थ्रो करके कांस्य पदक अपने नाम किया। उन्होंने 4 एथलीटों को पछाड़ा। टोक्यो ओलंपिक चैंपियन 28 वर्ष के नीरज चोपड़ा ने दूसरे प्रयास में इस सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85.83 मीटर थ्रो फेंका जो दूसरे स्थान पर रहने के लिये काफी था। वह 19 जून को दोहा डायमंड लीग में 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे।

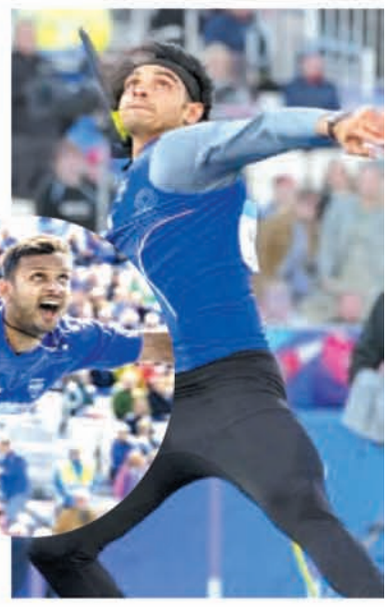

सातवें से तीसरे पर पहुंचे यशवीर- राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार उतरे 24 बरस के यशवीर ने छठे और आखिरी प्रयास में 85.41 मीटर थ्रो फेंककर सभी को चौंका दिया। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 83.72 मीटर था। वह पांचवें दौर के बाद 81.33 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास से सातवें स्थान पर थे, लेकिन आखिरी प्रयास जबर्दस्त रहा। आखिरी राउंड शुरू होने से पहले यशवीर छठे पर थे। वर्ल्ड चैंपियन केशोर्न वालकॉट ने 82.55 मीटर का थ्रो किया और भारतीय एथलीट सातवें पर पहुंच गया।

रूमेश थरंगा पथिरागे ने स्वर्ण जीता

श्रीलंका के स्टार रूमेश थरंगा पथिरागे ने अपेक्षा के अनुरूप 89.75 मीटर फेंककर स्वर्ण पदक जीता। बेहद सर्दी और तेज हवाओं के प्रदर्शन उनका यह प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंन जून में रोम डायमंड लीग में 92.62 मीटर का थ्रो फेंका था।

अरशद नदीम 3 दौर के बाद बाहर- भारत के रोहित यादव 81.56 मीटर के थ्रो के साथ सातवें स्थान पर रहे। वह कुछ देर के लिए तीसरे नंबर पर रहे, 81.56 मीटर के थ्रो के बाद काफी संघर्ष करते दिखे। पाकिस्तान के गत चैंपियन और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम 77 .41 के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीन दौर के बाद बाहर हो गए। मौजूदा विश्व चैंपियन त्रिनिदार और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट छठे स्थान पर रहे ।

हर्ष-अस्मिता गोल्ड, यामिनी ने जूडो में जीता सिल्वर

भारत के 20 पदक पूरे, 10वें दिन 13 मेडल दांव पर

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के 20 मेडल पूरे हो गए हैं। जूडो में अस्मिता डे और हर्ष सिंह के गोल्ड के बाद 57 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में यामिनी मौर्या इंग्लैंड की असेल्या टोपरैक से हार गईं। उन्हें सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा है। भारत को 9वें दिन जूडो में दो गोल्ड और एक सिल्वर मिला और कुल पदकों की संख्या 20 तक पहुंच गई। नीरज चोपड़ा के मुकाबले का हालांकि, सभी को इंतजार है। अब 10वें दिन की बात करें तो 13 मेडल दांव पर होने वाले हैं। वहीं बॉक्सिंग में भारत के पांच फाइनल मुकाबले होंगे। प्रीति पवार, अरुंधति चौधरी, जदुमणि सिंह, अंकुश पंघाल और जैस्मीन लम्बोरिया के फाइनल मुकाबले 10वें दिन 1 अगस्त 2026 को होंगे। यानी भारत को पांच मेडल बॉक्सिंग में मिल सकते हैं। इसके अलावा एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स में भी गोल्ड मेडल दांव पर होंगे।

बॉक्सर अंकुश पंघाल की फाइनल में एंट्री

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में प्रीति पवार के बाद 31 जुलाई शुक्रवार को भारत के एक और मुक्केबाज ने फाइनल में जगह बना ली। 80 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में अंशुल पंघाल ने कनाडा के जोशुआ ओफोरी को 5-0 से हराया और अपना कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर लिया।

उनसे पहले महिला 54 किलोग्राम सेमीफाइनल मैच में प्रीति ने जाम्बिया की कैथरीन म्वापे को 5-0 से हराते हुए फाइनल में एंट्री की थी। अंकुश पंघाल की लगातार दूसरे मैच में यह 5-0 से जीत है।

पाकिस्तान पैंथर्स को एशियन स्टार्स ने हराया

- डक पर आउट होने वाले दिलशान बने प्लेयर ऑफ द मैच, देवेन्द्र ने लगाया अर्धशतक

नई दिल्ली। एशियन लीजेंड्स लीग 2026 की शुरुआत हो चुकी है और इस सीजन के दूसरे मैच में पाकिस्तान पैंथर्स का सामना एशियन स्टार्स के साथ हुआ। मेहरान खान की कप्तानी में एशियन स्टार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान पैंथर्स को आसानी से 85 रन से हरा दिया और इस टीम की जीत में देवेंद्र सिंह की नाबाद तेज अर्धशतकीय पारी व तिलककरत्ने दिलशान की बेहतरीन गेंदबाजी का बड़ा योगदान रहा। इस मुकाबले में एशियन स्टार्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और इसके बाद 20 ओवर में 6 विकेट पर 186 रन का अच्छा स्कोर खड़ा दिया। इसके जवाब में पाकिस्तान पैंथर्स की टीम की बल्लेबाजी एशियन स्टार्स की गेंदबाजी के सामने पूरी तरह से बिखर गई और ये टीम 20 ओवर में 101 रन के स्कोर पर ही सिमट गई। दिलशान हालांकि इस मैच में डक पर आउट हुए।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को 10 मिनट में दूसरा गोल्ड

प्रीति के बाद जैस्मिन ने बॉक्सिंग का फाइनल जीता

ग्लासगो (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने सातवां गोल्ड मेडल जीत लिया है। जैस्मिन लांबोरिया ने विमेंस बॉक्सिंग की 57 केजी कैटेगरी के फाइनल में नॉर्दर्न आयरलैंड की मिकाएला वॉल्स को हराकर गोल्ड जीता। इससे पहले विमेंस बॉक्सिंग के 54 केजी वर्ग में प्रीति पवार ने कनाडा की सवाना डोलमागो को हराकर गोल्ड अपने नाम किया था। इसके साथ ही भारत के 7 गोल्ड सहित कुल 27 मेडल हो गए हैं। भारत मेडल टैली में छठे स्थान पर पहुंच गया है वहीं, भारत के 8 और मुक्केबाज गोल्ड मेडल के लिए फाइनल में उतरेंगे।

ट्रिपल जंप में भारत के दो और मेडल

भारत ने पुरुष ट्रिपल जंप में दो और मेडल जीत लिए हैं। प्रवीण चित्रावेल ने 16.58 मीटर के जंप अटैम्प्ट के साथ सिल्वर अपने नाम किया। वहीं, भारत के ही सेल्वा प्रभु ने 16.52 के बेस्ट अटैम्प्ट के साथ ब्रॉन्ज जीता। इस इवेंट का गोल्ड जाम्बिया के जॉर्डन स्कॉट ने जीता। उनका बेस्ट अटैम्प्ट 16.72 मीटर का रहा।

जसपाल राणा से अभिवन बिंद्रा तक...

12 भारतीयों ने कॉमनवेल्थ गेम्स में जीते 5 से ज्यादा मेडल, पांच ओलंपिक मेडलिस्ट भी बने

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में ऐसे कई खिलाड़ी हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस इवेंट में भारत के लिए मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं हैं, लेकिन 5 या उससे ज्यादा पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की संख्या काफी कम है। भारतीय खिलाड़ियों ने वैसे तो कॉमनवेल्थ गेम्स में कई प्रतियोगिताओं में मेजल जीतने का कमाल किया है, लेकिन सबसे ज्यादा सफलता भारतीय खिलाड़ियों को शूटिंग में ही मिली है और आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं।

जसपाल राणा ने जीते सबसे ज्यादा 15 पदक- कॉमवेल्थगेम्स गेम्स के इतिहास में ऐसे कौन-कौन खिलाड़ियों हैं जिन्होंने भारत के लिए 5 या उससे ज्यादा मेडल जीतने का कमाल किया है हम ऐसे 12 खिलाड़ियों का जिक्र करने जा रहे हैं और यही नहीं इन 12 खिलाड़ियों में 5 ऐसे भी हैं जिन्होंने ओलंपिक में भी देश के लिए मेडल जीते हैं। कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में भारत के

लिए सबसे ज्यादा मेडल जीतने का कमाल पूर्व भारतीय शूटर जसपाल राणा ने किया था जिन्होंने कुल 15 पदक अपने नाम किए थे जिसमें 9 गोल्ड, 4 सिल्वर और 2 ब्रान्ज मेडल शामिल थे। हालांकि राणा कभी देश के लिए ओलंपिक मेडल नहीं जीत पाए थे।

समरेश जंग ने भी लहराया परचम- समरेश जंग ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में अपना परचम जब-जब मौका मिला लहराया और उन्होंने कुल 14 पदक देश के लिए जीते थे जिसमें 7 गोल्ड, 5 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज शामिल थे। हालांकि समरेश भी कभी ओलंपिक में कोई मेडल नहीं जीत पाए। भारत के स्टार टेबल टेनिस प्लेयर अचंता शरत कमल ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में में अपना लोहा मनवाया था और 13 पदक इसकी गवाही देते हैं। उन्होंने कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में में कुल 7 गोल्ड, 3 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। गगन नारंग ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में 10 मेडल जीते थे और उन्होंने 2012 ओलंपिक में भी देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीतने का कमाल किया था।

अभिनव बिंद्रा के नाम कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में 7 पदक- भारतीय शूटिंग के सरताज अभिनव बिंद्रा ने कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में देश के लिए कुल 7 मेडल जीतने का कमाल किया था जिसमें 4 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज शामिल थे तो वहीं अभिनव ने साल 2008 ओलंपिक में देश के लिए गोल्ड मेडल जीतने का कमाल किया था। शूटर तेजस्विनी सावंत ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में भारत के लिए कुल 7 मेडल जीते थे जबकि विजय कुमार ने 6 मेडल जीतने का कमाल किया था और विजय ने 2012 ओलंपिक में भी भारत के लिए सिल्वर जीता था।

कितने सुरक्षित हैं आपके सौंदर्य प्रसाधन

मेकअप की एक्सपायरी डेट भी होती है। क्या यह पंक्ति आपको चौंकाती है? अमूमन स्त्रियां लंबे समय तक अपने सौंदर्य प्रसाधनों का मोह नहीं छोड पातीं और उनके वैनिटी बॉक्स में कई वर्ष पुराने उत्पाद मिल सकते हैं। संभव है कि कई बार प्रोडक्ट में एक्सपायरी डेट न दी गई हो, लेकिन एक ऐसा समय आता है, जब उनकी चमक फीकी लगने लगती है, वे आकर्षक नहीं लगते और उनके साइड इफेक्ट भी महसूस होने लगते हैं। आइए जानें कैसे करें देखभाल अपने सौंदर्य प्रसाधनों की और कब तक करें उनका इस्तेमाल।

लिपस्टिक

लिपस्टिक को इस्तेमाल करने का सही समय छह माह से एक वर्ष के बीच है, लेकिन यदि उसमें ऑयल या मॉयस्चर-सा निकलता दिखाई दे या उसके रंग या आकार में तब्दीली आने लगे तो उसे बदल दें। हर हफ्ते लिपस्टिक के ऊपरी हिस्से को टिशू से साफ करना न भूलें। अपने लिप ब्रश को भी हफ्ते में एक बार अवश्य साफ करें।

फाउंडेशन

इसे इस्तेमाल करने का उपयुक्त समय है छह महीने से एक वर्ष। वॉटर बेस्ड फाउंडेशन ऑयल बेस्ड की तुलना में कुछ सप्ताह अधिक समय तक चल सकते हैं, पर अगर फाउंडेशन गाढा-सा दिखने लगे तो उसका प्रयोग बंद कर दें। फाउंडेशन क्रीम में बैंटोनाइट केमिकल होता है, जिससे त्वचा को सांस लेने में समस्या होती है। लिक्विड फाउंडेशन में मिनरल ऑयल होता है, जो कार्सिनोजेनिक (ऐसे तत्व जो कैंसर का कारण बन सकते हैं) हो सकता है। इसके अलावा फाउंडेशन में ऐसे बडे अणु (मॉलेक्यूल्स) होते हैं जो त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर देते हैं। इससे स्वेद और तैल ग्रंथियां (स्वीट-ऑयल ग्लैंड्स) ठीक ढंग से कार्य नहीं कर पातीं, जिससे त्वचा में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। इसके कारण ब्लैक हेड्स, दाग-धब्बे और त्वचा में रूखापन जैसी समस्याएं पैदा होती हैं।

आई लाइनर और आई शैडो

आई लाइनर पेंसिल को भले ही आप हर 2-3 दिन में फ्रेश रखने के लिए शार्प करती हों, लेकिन उसके नुकीले सिरे पर बैक्टीरिया पनप सकते हैं। यदि पेंसिल बनाने में उसकी नोक बार-बार टूट रही हो तो समझिए कि उसे बदलने का समय आ गया है। लिक्विड आई लाइनर को सूखने के बाद कभी इस्तेमाल न करें। आई शैडो को नौ महीने से लेकर एक वर्ष तक चलाया जा सकता है। पुराना होने पर यह चॉक या खडिया जैसा हो जाता है और इसे लगाया नहीं जा सकता। इसका रंग बदल जाता है। आई शैडो और ब्लशर में टैल्क होता है, जो बहुत हद तक एस्बेस्टस से मिलता-जुलता है। इसमें कार्सिनोजेन की काफी मात्रा होती है, जिससे ओवरियन और लंग कैंसर की आशंका हो सकती है।

टेलकम पाउडर

यह सर्वाधिक इस्तेमाल किया जाने वाला प्रसाधन है, लेकिन इनमें कृत्रिम सुगंधों का इस्तेमाल बहुतायत में होता है, जो त्वचा संबंधी एलर्जी का एक प्रमुख कारण बनता है।

मस्कारा

मस्कारा को अमूमन तीन से छह माह तक प्रयोग किया जा सकता है। इसके बाद इसे बदलना जरूरी होता है, क्योंकि हवा के साथ इसके टयूब में बैक्टीरिया का प्रवेश हो जाता है, जिससे आंखों में संक्रमण हो सकता है। यह ऐसा उत्पाद है, जिसमें सबसे ज्यादा बैक्टीरिया पनपते हैं। इसलिए इसका ढक्कन अच्छी तरह बंद रखना चाहिए। मस्कारा में एल्कोहॉल, फॉर्मलडिहाइड और प्लास्टिक रेसिन्स जैसे केमिकल होते हैं। अगर वे आपकी त्वचा को रास नहीं आते तो उनसे आंखों में जलन, लालिमा, सूजन जैसे लक्षण उभर सकते हैं।

ब्लशर

इसे एक से दो वर्ष तक इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर क्रीम बेस्ड ब्लशर ब्रेक हो जाए तो उसे इस्तेमाल करना छोड दें।

नेल पॉलिश

नेल पॉलिश को अमूमन तब तक प्रयोग किया जा सकता है, जब तक वह गाढी न हो जाए या सूख न जाए। नेल वॉर्निश को हवा के संपर्क से जितना अधिक बचा सकें, वह उतने लंबे समय तक चलेगी। सप्ताह में एक बार इसकी बॉटल को अच्छी तरह शेक कर लें, ताकि इसका मौलिक रंग बरकरार रह सके।

सावधानियां जो हैं जरूरी

- किसी भी प्रोडक्ट को खरीदने से पूर्व ऑनलाइन सुरक्षित सौंदर्य प्रसाधनों के लिए चल रही मुहिम के बारे में अवश्य जानकारी हासिल करें। इससे आपको यह पता चल सकेगा कि किस कंपनी ने अपने प्रोडक्ट्स में ऐसे हानिकारक तत्वों के इस्तेमाल पर रोक लगाई है।
- प्रोडक्ट खरीदते समय उस पर लगे लेबल को अवश्य पढें, ताकि उसमें इस्तेमाल की गई सामग्री के बारे में पता चल सके, साथ ही एक्सपायरी डेट अवश्य देखें।
- हमेशा अच्छे और जाने-पहचाने ब्रैंड के कॉस्मेटिक्स खरीदें। अब सभी बडी कंपनियों ने अपने उत्पादों की गुणवत्ता को ज्यादा से ज्यादा सुधारने की दिशा में काम किया है।
- कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स की बॉटल का ढक्कन हमेशा कसकर बंद रखें। उन्हें अंधेरे और हवादार स्थान पर रखें।
- सौंदर्य प्रसाधनों को कभी दूसरे के साथ शेयर न करें।
- बॉडी डियोडेरेंट या परफ्यूम्स हमेशा किसी अच्छे ब्रैंड का ही लें, पहले यह जांच लें कि वे आपकी त्वचा को माफिक आएंगे या नहीं। सामान्यत: इन्हें तीन या चार वर्ष तक चलाया जा सकता है।
- मॉयस्चर और टोनर सबसे ज्यादा प्रयोग किए जाने वाले उत्पाद हैं, लेकिन यदि इनका रंग बदले तो इन्हें बदल देना चाहिए। इन्हें फ्रिज में नहीं रखना चाहिए।
- ऑयल बेस्ड क्रीम के ऑक्सीडाइज होने की आशंका रहती है। बॉडी क्रीम को दो से तीन वर्ष तक चलाया जा सकता है, लेकिन रंग, सुगंध या किसी भी तरह का परिवर्तन होने पर इनका भी इस्तेमाल रोक देना चाहिए।
- सनक्रीम या टैनिंग क्रीम अमूमन दो वर्ष तक चल सकती हैं, लेकिन जिनमें केमिकल्स ज्यादा हों उन्हें एक वर्ष तक ही प्रयोग करना चाहिए।

काबुली चना विद ग्रीन ग्रेवी

सामग्री: 200 ग्राम उबले हुए काबुली चने, 2 बारीक कटे हुए प्याज, डेढ़ टीस्पून तेल, नमक स्वादानुसार।

ग्रीन ग्रेवी के लिए: डेढ़ कप कटा हुआ पालक, 1 कप मटर, डेढ़ टीस्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1 टीस्पून अदरक का पेस्ट, आधा टीस्पून खानेवाला सोडा।

विधि: काबुली चने को उबालकर अलग रख लें। पालक, मटर व मिर्ची को सोडा डालकर उबाल लें। ठंडा होने पर पीसकर पेस्ट बना लें। एक पैन में थोड़ा-सा तेल डालें और अदरक का पेस्ट व कटे हुए प्याज डालकर भूनें। इसके बाद इसमें ग्रीन पेस्ट डाल दें। 5 मिनट तक भूनें। उबले हुए काबुली चने व नमक डालकर पकाएं। गरमा गरम सर्व करें।

मां की बदलती छवि

एक बच्चा जन्म लेने जा रहा था। उसने भगवान से पूछा, आप मुझे कल नीचे पृथ्वी पर भेज रहे हैं, मैं इतना छोटा और असहाय हूं, वहां जाकर कैसे रहूंगा?

भगवान बोले, बहुत सारी परियों में से एक परी मैंने तुम्हारे लिए चुनी है। वही तुम्हारी देखभाल करेगी। पर मुझे बताइए, मेरे साथ वहां क्या होगा, मैं वहां क्या करुंगा? यहां स्वर्ग में मैं कुछ नहीं करता, हंसने और गाने के सिवाय, इसी से मुझे खुशी मिलती है।

वह परी तुम्हारे लिए हर दिन गाएगी व मुसकराएगी, तुम्हारी हर खुशी का खयाल रखेगी और धीरे-धीरे तुम्हें नया भी बहुत कुछ सिखाएगी।

वहां के लोगों की भाषा व बात मैं कैसे समझूंगा?

वह परी तुम्हें मधुर शब्दों में सब समझाएगी और तुम्हें बोलना भी सिखाएगी। और जब मैं आपसे बात करना चाहूंगा तो क्या करूंगा? वह परी तुम्हें हाथ जोड कर मेरी प्रार्थना करना सिखाएगी, जिससे सीधे न सही, पर भावनात्मक स्तर पर हमारी-तुम्हारी बातचीत होगी जरूर।

मैंने सुना है कि पृथ्वी बुरे आदमियों से भरी पडी है, मेरी रक्षा कौन करेगा?

वह परी अपनी जान पर खेल कर भी तुम्हारी रक्षा करेगी। आपको देख न पाने के कारण, आपके बारे में जान न पाने के कारण मैं उदास हुआ तो..। वह ही मेरे बारे में तुम्हें बताएंगी। सब तरफ से हार जाने पर बच्चा समझ गया कि उसका नीचे जाना तय है। हार कर उसने पूछा कि भगवन, मैं जा रहा हूं, पर जिसके पास जा रहा हूं, आप मुझे उस परी का नाम तो बता दीजिए। उसका नाम बहुत मायने नहीं रखता, पर तुम उसे मां बुला सकते हो। यह है मां बच्चे के बीच की असली कहानी। यह सच है कि एक बच्चे के नजरिए से देखें तो सदियों पहले का बच्चा हो या आधुनिक बेबी, भारत में जन्म लिया हो या अमेरिका जैसे हाई-फाई शहर में या पिछडे हुए किसी गांव में, उसकी जरूरतें समान होती हैं।

मां की भूमिका

बच्चे की पहली सहायक, पहली अध्यापिका, पहली ट्रेनर, पहली दोस्त, पहली मार्गनिर्देशक मां ही होती है। वह ही सब कुछ सिखाती है बच्चे को। अंतर केवल इतना आया है कि बच्चे की जरूरतों व आवश्यकताओं को पूरा करने के तरीके जरूर बदल गए हैं। उन्हें आराम से रखने के तरीके, उनको सुविधाएं देने के तरीकों में बदलाव आया है। मां आज बच्चों के आराम का खयाल दूसरे ढंग से रखती हैं, उनकी सुविधाओं की चिंता का तरीका भी उनका अलग है।

कुछ बातें काम की

- अमरूद का सेवन पेट से संबंधित समस्याओं का समाधान करता है।
- खजूर का सेवन शरीर को दृढ़ता प्रदान करने के साथ-साथ कमर दर्द की समस्या का भी समाधान करता है।
- हरे धनिए का सेवन स्तन व लिवर कैंसर जैसे गंभीर रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है।
- अनार का सेवन गंदी जीभ की समस्या का समाधान करता है।
- लहसुन का सेवन, गैस की समस्या का समाधान करता है।
- भोजन के उपरांत एक कच्चे प्याज का नियमित सेवन कब्ज के रोगी को स्वस्थ करता है।
- कलौंजी का सेवन या फिर इसका पेट पर लेप करने से पेट के कीड़े मर जाते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करें। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु (ये यो भा भी भू): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3966

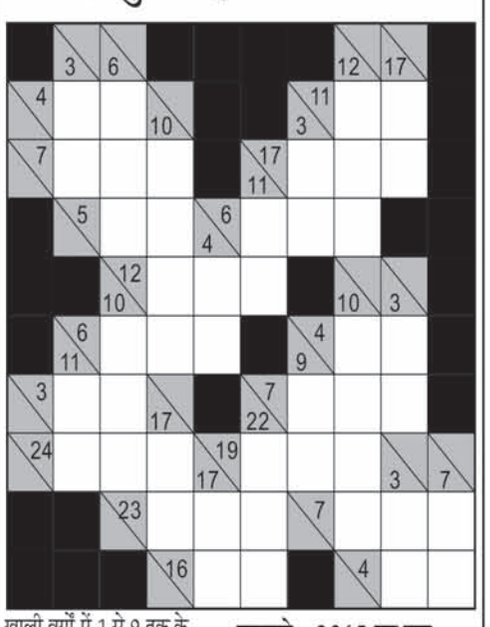

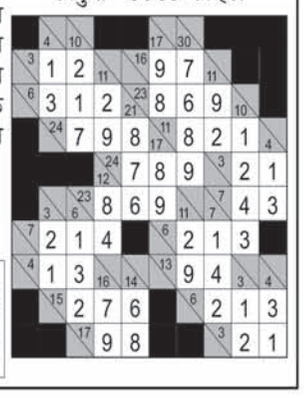

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 3965 का हल

लॉफिंग जौन

रमन और चमन दवा बेचने का काम करने लगे।

चमन- यह दवा ले लीजिए, इसे खाने वाला सदा जवान रहता है, कभी बूढ़ा नहीं होता। मुझे देखिए अभी मेरी उम्र अभी सिर्फतीन सौ साल है।

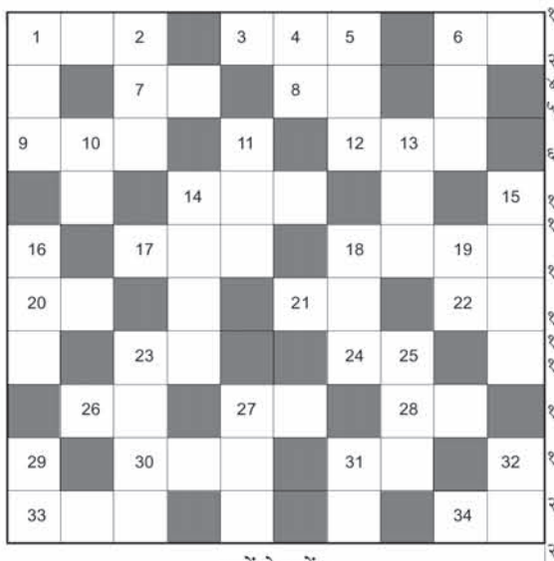

दुकानदार (पास खड़े व्यक्ति से बोला)- क्या तुम्हें ये तीन सौ साल के लगते हैं।

रमन- यह मैं कैसे बताऊँ! मैं तो इनके साथ डेढ सौ साल से हूँ।

□ □ □

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3966

बायें से दायें:-

१. सलमान, आयशा की 'बैठा नीली झील किनारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
६. जीतेंद्र, रीना, रामेश्वरी की 'तूने मुझे बुलाया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जब भी ये दिल उदास' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली आशा पारेख, सुनील दत्त की फिल्म-२
९. फिल्म 'कसक' की नायिका कौन थी-३
१२. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, परवीन की 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
१८. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है-४
२०. 'छुपा रूस्तम' में नायिका कौन -२
२१. फिल्म 'अंत' में नायिका कौन थी-२
२२. अजय देवगन, ट्विंकल की 'मेरे सीने में तेरा' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'दर्दे दिल दर्दे जिगर' गीत वाली फिल्म-२
२४.'चाइना टाउन' के संगीतकार कौन-२
२६. 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ की पत्नी की भूमिका किसने की है-२
२७. 'फूल और कांटे' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२८. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश, राखी, शर्मिला की फिल्म-२
३०. राजकुमार, राजेश, माला की 'गुस्सा इतना हसीन' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'मनोरंजन' में शम्मी व संजीव कुमार के साथ नायिका कौन थी-३
३४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. फिरोज खान, जीनत की 'हम तुम्हें चाहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कभी-कभी' में ऋषि की नायिका -३
४. 'बंदिश' में जैकी की नायिका-२
५. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ऐसे मिली निगाहें' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१०. 'मोहे छेड़ो ना' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
१३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'मय से मीना से ना' गीतवाली फिल्म-४
१५. 'कसम से तेरी आँखें' गीतवाली फिल्म-४
१६. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१८. अमिताभ, विनोद, सायरा की 'तुम भी चलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'फूल माँगू ना बहार' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
२३. 'उधर से जो तुमको मिले फुरसत' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'देखो देखो जी, ये है मेरी' गीत वाली जीतेंद्र, लीना की फिल्म-३
२७ रंजन, चित्रा, जयश्री की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-३
२९.'तदबीर से बिगड़ी हुई' गीतवाली फिल्म-२
३१. गोविंदा, जूही की 'आ जाना जरा' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3965

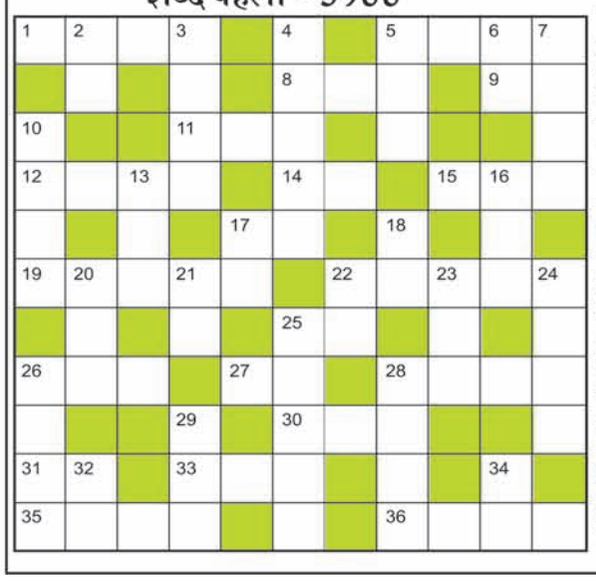

सूडोकु -3966

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3965 का हल

शब्द पहेली - 3966

बाएँ से दाएँ

1.चिकित्सा,इलाज-4
5.पैतृक संपत्ति-4
8.बलवा,क्रांति-3
9.निम्न-2
11.सुअर,शूकर-3
12.चौबीसवें तीर्थंकर-4
14.केश-2
15.मुनाफा,अर्जित-3
17.मैदे की रोटी-2
19.मनोहर,आकर्षक-5
22.अनासक्ति,निर्विकारता-5
25.पानी,नीर-2
26.सूखा,दुष्काल-3
27.कांटा,कंटक-2
28.शांति,ध्वनिहीनता-4
30.तीक्ष्ण,तेजस्वी-3
31.लाख,गोंद-2
33.मधुक,महुआ-3
35.हृदयगति,स्पंदन-4
36.अनुक्रम,निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे

2.पंख,पराया-2
3.राम का एक नाम-4
4.संरक्षक,देखरेख करने वाला,मुहाफिज-5
5.वियोग,जुदाई-3
6.गलत का विलोम-2
7.एकांतता,अकेलापन-4
10.मरियल,निर्बल-4
13.'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16.मक्खन-3
17.रिश्ता-2
18.लाश-3
20.माला का मोती-3
21.यमराज-2
22.ललाट-2
23.ताप वर्धक-3
24.विदिर्ण-2.2
25.पानी का बहना-5
26.जुर्म,गुनाह-4
28.रसहीनता-4
29.प्रणाम,नमस्कार-3
32.लड़ी,श्रृंखला-2
34.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -3965 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी